केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 352 मंगलवार 16 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सिंचाई बंधु की बैठक में उठे मुद्दे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सिंचाई बन्धु की बैठक उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुयी। उपाध्यक्ष ने कहा कि शासन द्वारा विभागीय अधिकारियों के लिए किसानों के हित में वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लक्ष्य की प्राप्ति हेतु यह बैठक पूर्व निर्धारित रोस्टर के अनुसार आयोजित होती है। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. ने पूर्व बैठक की कार्यवृत्ति की अनुपालन आख्या ना उपलब्ध करा पाने पर अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त किया। उन्होने संबंधित अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर बैठक में कृत कार्यवाही की अनुपालन आख्या नोडल अधिकारी को अवश्य उपलब्ध करा दें।

समीक्षा में उन्होने पाया कि सरयू नहर खण्ड–4 में शिल्ट सफाई का कार्य 87 किमी.... के सापेक्ष 63 किमी. तक पूरा किया गया है। अधिशासी अभियन्ता नलकूप संतलाल ने बताया कि 17 नलकूप खराब थे, जिसमें 13 विद्युत व 4 यांत्रिक दोष से बन्द थे, जिसमें 9 नलकूपों को संचालित करा दिया गया है। अवशेष पर संचालन कराने की कार्यवाही चल रही है। उद्यान निरीक्षक भानप्रताप त्रिपाठी ने बताया कि जनपद में आम, केला तथा शाक–भाजी के लिए विभागीय लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके लिए किसानों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद प्रथम आओ, प्रथम पाओं के आधार पर योजना का लाभ दिया जायेगा।

विधायक कप्तानगंज के प्रतिनिधि गुलाब चन्द्र सोनकर ने कहा कि समिति से संबंधित अधिशासी अभियन्तागण विभागीय कार्योजना अवश्य प्रस्तुत करें, जिससे आम जनमानस की समस्या का ससमय व त्वरित समाधान किया जा सकें। बैठक में विधायक प्रतिनिधि हर्रया सरोज कुमार मिश्र, सदर के मो. सलीम, महादेवा के फूलचन्द्र श्रीवास्तव, एमएलसी प्रतिनिधि संदीप यादव, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–4 राकेश कुमार गौतम, रामवृक्षराम, रामनरेश सिंह, दीनानाथ मिश्र, अजीत कुमार तिवारी, सरफराज अहमद अली, आदित्य शर्मा, अमित श्रीवास्तव, बलिकरन चौहान, दुर्गेश श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

365 स्कूली वाहनों की परमिट समाप्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद में कुल 1182 स्कूली वाहन पंजीकृत हैं, जिसमें 410 वाहनों की फिटनेस एवं 365 वाहनों के परमिट समाप्त हैं। उक्त जानकारी देते हुए सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) पंकज कुमार सिंह ने बताया कि आज 18 स्कूली वाहनों का निरीक्षण कर फिटनेस किया गया तथा 14 जुलाई रविवार को भी अपडेट/अद्यतन कराने हेतु कार्यालय में 15 स्कूली वाहनों का निरीक्षण कर फिटनेस किया गया था। उन्होने जनपद के समस्त स्कूलों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्यों से अपील किया कि अपने विद्यालय की बची शेष वाहनों का फिटनेस एवं परमिट अद्यतन/अपडेट करा लें अन्यथा प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान यदि कोई स्कूली वाहन बिना फिटनेस एवं परमिट के संचालित पाई जाती है, तो नियमानुसार प्रवर्तन की कार्यवाही किया जायेगा।जनपद के आटो/टैम्पो वाहन चालक तीन दिवस के अंदर वाहनों के समस्त प्रपत्र अप–टू–डेट/वैध करवा लें।

रोजगार मेला 16 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय/माडल कॅरियर सेन्टर द्वारा एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन दिनॉक 16 जुलाई पूर्वान्ह 11.30 बजे से क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय कैम्पस कटरा मूड़घाट रोड बस्ती में किया जायेगा।

सहायक अभियोजन अधिकारी ने संभाला कार्यभार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सहायक अभियोजन अधिकारी डा. अशोक कुमार वर्मा ने जनपद बस्ती में कार्यभार ग्रहण कर लिया हैं। ये इसके पूर्व जनपद अम्बेडकर नगर में कार्यरत रहें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार को जान से मारने की धमकी

देहरादून (आभा)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। सीएम योगी के परिवारजन की ओर से सौंपी तहरीर के बाद पुलिस ने तुरंत ही ऐक्शन लिया है। पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

यूपी सीएम योगी के भाई शैलेश बिष्ट से फोन पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर गाली गलौच करना और उनके परिजनों को जान से मारने की धमकी देना एक कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य को भारी पड़ गया।

शैलेश बिष्ट ने इस मामले में पुलिस कोतवाली कोटद्वार में लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने मुख्यमंत्री योगी के भाई शैलेश बिष्ट की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले में यमकेश्वर ब्लॉक के ग्राम पंचूर और वर्तमान में कोटद्वार निवासी शैलेश बिष्ट ने इस मामले में बीती 11 जुलाई को कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। कहना था कि वह आर्मी में हैं और इन दिनों कोटद्वार में तैनात हैं।

उन्होंने बताया कि जिला पंचायत सदस्य क्रांति कपरुवाण ने उनके परिवार के खिलाफ गत 16 जून को फेसबुक पर एक पोस्ट अपलोड की। उसका विरोध करते हुए उन्होंने जब आरोपी को फोन कर पोस्ट हटाने के लिए कहा तो उसने फोन पर ही गाली–गलौज करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया। घटना के 25 दिन बाद आरोपी ने उन्हें दोबारा कॉल कर उनके परिवार वालों को फिर से गाली दी थी। आरोप है कि इतना सबकुछ करने के बाद भी जब आरोपी का मन नही भरा तो उसने परिवार को जान से मारने की धमकी भी दे डाली। इस दौरान आरोपी ने उन्हें भी मारने की धमकी दी।

डा. वी.के. वर्मा ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को सौंपा स्वरचित 'कोविड 19'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रेड क्रास सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य डा. वी.के. वर्मा ने जिला सचिव कुलवेन्द्र सिंह के दिशा निर्देश के अनुरुप सोसायटी के राज्य स्तरीय प्रबन्ध समिति की बैठक में हिस्सा लिया।

लखनऊ के रेडक्रास भवन में आयोजित बैठक में हिस्सा लेने के बाद यहां जारी विज्ञप्ति में डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रबन्धन समिति की बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महासचिव डा. हिमाबिन्दु नायक के साथ ही प्रदेश भर से आये

-बैठक में रेडक्रास सोसायटी को और सक्रिय करने पर जोर

रेड क्रास सोसायटी के पदाधिकारियों, सदस्यों ने हिस्सा लिया। बैठक में रेड क्रास सोसायटी को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया। डा. वी.के. वर्मा ने बताया कि बैठक के बाद उन्होने अपनी स्वरचित पुस्तक' कोविड 19' को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को सौंपा और जनपद में रेड क्रास सोसायटी द्वारा संचालित कराये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

भीम आर्मी जयभीम संगठन ने किया शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी को वापस लेने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को ऑन लाइन हाजिरी के निर्णय को वापस लिये जाने की मांग को लेकर भीम आर्मी जयभीम संगठन जिलाध्यक्ष अश्विनी कुमार गौतम के नेतृत्व में पदाधिकारियों, सदस्यों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन सौंपने के बाद भीम आर्मी जयभीम संगठन के प्रदेश महासचिव एडवोकेट विक्रम गौतम ने कहा कि जनपद के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक स्कूल दुर्गम क्षेत्रों में हैं जहां कभी–कभी शिक्षक समय से नहीं पहुंच पाते। शिक्षकों से शिक्षा के साथ ही अन्य गैर शैक्षणिक कार्य लिये जाते हैं। जिलाध्यक्ष अश्विनी कुमार गौतम ने कहा कि ऑन लाइन हाजिरी का निर्णय अव्यवहारिक है। इसे वापस लिया जाय। अच्छा हो कि सरकार शिक्षकों का विश्वास जीते। ज्ञापन सौंपने वालों में मूलचन्द आजाद, विनय अम्बेडकर, आकाश आर्य, रंजीत गौतम, राहुल, शिवम, अशोक चौधरी आदि शामिल रहे।

चुनावी रंजिश में बेटे को मारा पीटा, मां ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मुण्डेरवा लोहदर निवासिनी सुशीला पत्नी स्वर्गीय नेबूलाल ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में सुशीला ने कहा है कि नगर पंचायत मुण्डेरवा के चुनावी रंजिश को लेकर गत 10 जुलाई को गांव के ही रामनरायन यादव पुत्र बुद्धू, महेन्द्र कुमार यादव, सुरेन्द्र कुमार यादव, योगेन्द्र उर्फ जोगेन्दर यादव, राजेन्द्र यादव पुत्रगण रामनरायन यादव ने उनके बेटे नितेश चौधरी को जान से मार डालने की नीयत से मारा पीटा, नंगा करके दौड़ाया, जब उसकी ननद सुनीता चौधरी बचाने गई तो उसे भी मारा पीटा, कान की बाली छीन लिया। दबंगों ने उनके बेटे की मोबाइल भी छीन लिया। लोगों के बीच बचाव करने पर किसी तरह से नितेश की जन बची। इलाज के लिये उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुण्डेरवा ले जाया गया, स्थिति की गंभीरता को देखते हुये उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

सुशीला ने पत्र में कहा है कि मुण्डेरवा पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं किया। मांग किया कि नितेश चौधरी की मेडिकल जांच कराने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उनके परिवार के जान माल की रक्षा कराया जाय।

छात्र मोहित यादव के अपहरण मामले में सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन:मुण्डेरवा, सोनहा क्षेत्र में पुलिसिया उत्पीड़न रोकने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । छात्र मोहित यादव के अपहरण का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को सरदार सेना पदाधिकारियो, कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध्यक्ष अखिलेश प्रजापति, जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी 'शाका' के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा गया है पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि 12 घंटे के भीतर मोहित यादव को खोजकर उसके परिजनों को सौंप दिया जायेगा किन्तु अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं। यदि पुलिस चाहती तो सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले का खुलासा कर सकती थी। सरदार सेना ने मांग किया है कि छात्र मोहित यादव के परिवार को सुरक्षा देने के साथ ही उसकी बरामदगी सुनिश्चित किया जाय और लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को दण्डित किया जाय।

इसी कड़ी में डीएम को सौंपे एक अन्य ज्ञापन में कहा गया है कि मुण्डेरवा और सोनहा के थानाध्यक्षों द्वारा छोटे–छोटे मामलों में लोगों को परेशान किया जा रहा है और उनसे बड़े पैमाने पर सुनियोजित रूप से धन उगाही की जा रही है। बड़े बन चौकी पर आये दिन ट्रैक्टर–ट्राली

वाले किसानों को परेशान कर उनसे धन उगाही करते हैं। मांग किया कि मुण्डेरवा और सोनहा के थानाध्यक्षों द्वारा नागरिकों के उत्पीड़न और धन उगाही को बंद कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी, बृजेश पटेल ने कहा कि पुलिस की मनमानी को बंद कराया जाय और मुण्डेरवा, सोनहा थानाध्यक्षों के कार गुजारियों की जांच कराकर उनका स्थानान्तरण तत्काल प्रभाव से कराया जाय।

सरदार सेना के जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, जिला पंचायत सदस्य शिवशंकर चौधरी 'शाका' ने संयुक्त रूप से कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था की स्थिति दयनीय है। पुलिस सेवा के स्थान पर शोषण कर रही है। छात्र मोहित यादव के अपहरण की घटना ने लोगों को चौका दिया है। मांग किया है कि छात्र मोहित यादव के अपहरण मामले में शीघ्र खुलासा कर दोषियों को कड़ा दण्ड दिया जाय। ज्ञापन देने वालों में सरदार सेना के अनिल कुमार गौतम, लवकुश चौधरी, अभिषेक, शहजाद, राहुल पटेल, दूधनाथ पटेल, सन्तोष, राम सिंह, अरविन्द, राजकुमार पटेल, राजवर्मा, विवेश पटेल, अंकुर चौधरी, आकाश, राकेश चौधरी, सुनील पटेल, अमरजीत, राजकुमार वर्मा, राकेश वर्मा, अनिल चौधरी आदि शामिल रहे।

ऑन लाइन हाजिरी को लेकर शिक्षकों का आन्दोलन जारी: बीएसए को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को प्रदेश सरकार द्वारा परिषदीय विद्यालयों में ऑन लाइन हाजिरी सहित शिक्षकों की समस्याओं से जुड़े मुद्दों को लेकर जनपद के शिक्षकों ने उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में बैठक के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। बीएसए ने ज्ञापन लेने के बाद कहा कि मांगों को विभागीय स्तर पर भेज दिया जायेगा।

बैठक में शिक्षकों के ऑनलाइन उपस्थिति पर असहमति तथा शिक्षकों को 31 दिन ईएल, 15 दिन सी.एल., 15 दिन का हाफ सी.एल., चिकित्सा प्रतिपूर्ति व पुरानी पेंशन बहाली आदि का मुद्दा छाया रहा। जिला अध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने बताया कि प्रदेश के 6 लाख शिक्षकों ने सरकार के द्वारा जारी ऑनलाइन उपस्थिति का पूर्णतः बहिष्कार जारी रखा है इसके बावजूद सरकार और विभागीय अधिकारी अपनी हठवादिता जारी रखे हुये हैं। कहा कि अन्य विभागों की भांति शिक्षकों को भी सुविधायें दी जाय। जब तक मांगों को पूरा नहीं किया जायेगा, शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति का बहिष्कार जारी रखेंगे।

जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बैठक में कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 9 जुलाई को सभी ब्लाकों पर ब्लाक कार्यकारिणी व संघर्ष समिति की कार्यकारिणी की बैठक हुई और 11 व 12 जुलाई को सभी ब्लाकों पर धरना प्रदर्शन किया गया। इसके बाद 15 जुलाई सोमवार को को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पदाधिकारी व शिक्षकों ज्ञापन सौंपा है। बताया 22 जुलाई तक पदाधिकारी विद्यालयों का भ्रमण कर शिक्षकों से उनके ऑनलाइन बहिष्कार पर सहमति

–शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा दे सरकार– चन्द्रिका सिंह

व असहमति का प्रपत्र भरवाएंगे और 23 जुलाई को बीएसए कार्यालय पर एक दिवसीय विशाल धरना, प्रदर्शन किया जाएगा । बैठक में कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति सुविधा दी जाय। अब तक 10 लाख से अधिक एक्स पर प्रतिक्रियायें आ चुकी हैं इसके बावजूद सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली है।

बैठक में तहसील अध्यक्ष हर्रया राजकुमार तिवारी, रुधौली तहसील अध्यक्ष शिवरतन ने कहा कि वर्तमान में बारिश से सुदूर इलाकों में तमाम सड़कें जलमग्न हो गई हैं, कई पुल आदि टूट चुके हैं जिससे शिक्षकों को स्कूल पहुंचने में बाधा आ रही है । सरकार द्वारा ऑनलाइन व्यवस्था में मात्र 15 मिनट में ही अपनी उपस्थिति दर्ज करवानी है यदि 1 मिनट भी विलंब हुआ तो शिक्षकों के पूरे दिन का वेतन काट लिया जाएगा यह आदेश पूर्ण रूप से अव्यवहारिक है। जिससे शिक्षकों में काफी रोष व्याप्त है । जूनियर शिक्षक संघ के अम्बिका पाण्डेय, अनुदेशक संघ के पवन मिश्र ने कहा कि जब तक निर्णय नहीं हो जाता चरणबद्ध संघर्ष जारी रहेगा।

बैठक और ज्ञापन सौंपने वालों में जिला उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी ,शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव ने संबोधित किया। मुख्य रूप से प्रमोद सिंह, अटल बिहारी ,सुरेश गौड़ ,दिनेश त्रिपाठी, मनीष मिश्रा ,विवेक सिंह, सनद पटेल , रामसागर वर्मा, रवि सिंह ,विजय कुमार ,अखिलेश पाण्डेय, विवेकानन्द, मुरलीधर, रामप्यारी, हरिओम यादव ,सन्तोष पाण्डेय ,देवेन्द्र सिंह ,अमित पाण्डेय ,नंदलाल, सत्य प्रकाश ,हरेन्द्र यादव ,मोहम्मद असलम, दिनेश सिंह,रंजन सिंह, रूकुनुद्दीन, राजेश गिरी, प्रताप नरायन चौधरी, नवीन सिंह, मनोज उपाध्याय, प्रभाकर पटेल, अशोक यादव, अनीस अहमद, असद जमाल, भारत भूषण, राम भवन, उमाकान्त, अनिल पाठक, रजनीश यादव, कुसुम यादव, शिल्पी पाण्डेय, श्वेता राव, प्रभावती, रेहाना परवीन, मंगला मौर्य, स्वाती पाण्डेय, गौरव चौधरी, वैभव मिश्र, गोपाल दूबे, अजीत वर्मा, के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

व्हाट्सएप ग्रुपो से लेफ्ट होकर ऑन लाइन प्लेट फार्म पर कोई कार्य नहीं करेंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संयोजक, सह संयोजकों की बैठक उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में प्रेस क्लब समागार में सम्पन्न हुई । बैठक के बाद 'आन लाइन व्यवस्था बंद हो' का नारा लगाते हुये शिक्षक प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी द्वारा नामित प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री को सम्बोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष एवं मोर्चा संयोजक उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि संयुक्त मोर्चा ने निर्णय लिया है कि जनपद के सभी शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक विरोध स्वरूप सभी विभागीय व्हाट्सएप ग्रुपो से लेफ्ट होकर ऑन लाइन प्लेट फार्म पर कोई कार्य नहीं करेंगे। जनपद के प्रतिनियुक्ति पर शिक्षक संकुल और एआरपी. का दायित्व निर्वहन करने वाले सभी शिक्षक ऑन लाइन डिजिटल उपस्थिति के विरोध में अपने पदों से त्याग पत्र देंगे। कहा कि बीएसए शिक्षकों पर जबरिया आन लाइन कार्य का दबाव न बनाये अन्यथा मोर्चा उनके विरुद्ध भी आन्दोलन करेगा।

मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में कहा गया है कि बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालय की पंजीकाओं का डिजिटलाइजेशन व डिजिटल (डिजिटल फेस छायांकन) उपस्थिति कराए जाने संबंधी निर्देश को निरस्त किया जाय। इसी क्रम में

-15 संगठनों के संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन -शिक्षक संकुल और ए.आर.पी. देंगे सामूहिक त्याग पत्र -ऑन लाइन कार्य के लिये शिक्षकों पर दबाव न बनाये बेसिक शिक्षा अधिकारी- उदयशंकर शुक्ल

परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं को हॉफ सी०एल० की सुविधा दिये जाने, पुरानी पेंशन बहाल किये जाने, 30 ई०एल० की सुविधा देने, कैशलेस चिकित्सा सुविधा (बिना प्रीमियम) भुगतान किये दिये जाने, 17140/18150 भुगतान करने, परिषदीय शिक्षक, शिक्षिकाओं का ससमय स्थानान्तरण, पदोन्निति किये जाने, वेतन विसंगति समस्या का निराकरण करने, परिषदीय विद्यालयों में लिपिक की नियुक्ति करने, शिक्षक, शिक्षिकाओं का जनपद/ऐच्छिक जनपद में स्थानान्तरण किये जाने, समान कार्य, समान वेतन के आधार पर शिक्षा मित्र एवं अनुदेशकों को नियमित करते हुये समान वेतन भुगतान किये जाने, बिहार की भांति चिकित्सकीय अवकाश का लाभ दिये जाने, परिषदीय विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की नियुक्ति करने, परिषदीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त किये जाने, विद्यालयों में डेस्क, बेंच की व्यवस्था कराने, रसोईया, लेखाकर, कम्प्यूटर आपरेटर को नियमित कर समान वेतन दिये जाने, शिक्षक, शिक्षिकाओं के जनपद स्तर की समस्याओं को निस्तारित किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने वालों में 15 संगठनों के संयुक्त मोर्चा के विष्णुदत्त शुक्ल, तौव्वाब अली, वीरेन्द्र शुक्ल, राम पराग चौधरी, अमित सिंह, प्रमोद कुमार पाण्डेय, विजय प्रकाश चौधरी, प्रमोद कुमार ओझा, विजयनाथ तिवारी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, लालजी पाठक, अनिल द्विवेदी, उमेश यादव, दिनेश उपाध्याय, राजेश कुमार, अभय सिंह यादव, शैल शुक्ल, सच्चिदानन्द शुक्ल, चौधरी रूद्र प्रताप सिंह, अमरेश कुमार यादव, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, देवेन्द्र वर्मा, इन्द्रसेन मिश्र, रामभरत वर्मा, दिवाकर सिंह, चन्द्रभान चौरसिया, शशिकान्त धर द्विवेदी, रवीश मिश्र, ओम प्रकाश, कृष्ण कुमार उर्फ गुड्डू चौधरी, चन्द्रशेखर शर्मा, गिरजेश चौधरी, रमेश चौधरी, पटेश्वरी निषाद, विनोद यादव, ओम प्रकाश पाण्डेय, अभिषेक उपाध्याय, राजेश चौधरी, बब्बन पाण्डेय, रमेश विश्वकर्मा, अभिषेक जायसवाल, रामपाल वर्मा, त्रिलोकीनाथ, कन्हैयालाल भारती, मारूफ खान, अश्विनी पाण्डेय, राघवेन्द्र उपाध्याय, पटेश्वरी निषाद, दीपक प्रेमी, योगेश्वर शुक्ल, सत्य प्रकाश मौर्य, रीता शुक्ला, जया यादव, दिनेश वर्मा के साथ ही अटेवा, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, टी.एस.सी.टी.,आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ, विशिष्टि बी.टी.सी. शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, यूटा, उत्तर प्रदेशीय बी.टी.सी. शिक्षक संघ, अर्न्तजनदीय शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, बेसिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश अनुदेशक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन, आश्रित कर्मचारी कल्याण संघ सहित 15 संगठनों से जुड़े अनेक शिक्षक, शिक्षा मित्र, अनुदेशक एवं संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

माध्यमिक शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में सोमवार को माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का उपचारात्मक शिक्षण आधारित मास्टर ट्रेनर हेतु पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ संयुक्त शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल डॉ ओमप्रकाश मिश्र, डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल तथा जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया। प्रशिक्षण में बस्ती मंडल के तीनों जिलों बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। शिक्षकों को संबोधित करते हुए संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ ओम प्रकाश मिश्र ने कहा कि एक शिक्षक होने के नाते हमारा यह नैतिक तथा सामाजिक कर्तव्य है कि अपनी कक्षा के कमजोर बच्चों को पहचान कर उसे उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करें जिससे वह अपने जीवन में आने वाली चुनौतियों का

सामना करने में सक्षम हों। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि यह प्रशिक्षण आपके कुशलता में धार देने का कार्य करेगा तथा शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि ज्ञान के क्षेत्र में पूरा विश्व विविध वैज्ञानिक तथा तकनीकी विकास के कारण तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। समस्त शैक्षिक सुधारों का मूलभूत सोपान शिक्षक ही होता है।संदर्भदाता के रूप में डायट प्रवक्ता वंदना चौधरी, अलीउद्दीन, डॉ गोविन्द प्रसाद, वंदना चौधरी, सरिता चौधरी, कल्पाण पाण्डेय, शशि दर्शन, कुलदीप चौधरी, वर्षा पटेल, अमनसेन आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का परिचय अनुशंसाएं, उपचारात्मक शिक्षण, माध्यमिक शिक्षा के विशेष परिप्रेक्ष्य में लर्निंग आउटकम, डिजिटल लाइब्रेरी, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अकादमिक नेतृत्व, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास तथा मूल्यांकन एवं आकलन आदि विभिन्न संदर्भित विषयों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता अलीउद्दीन, डॉ रविनाथ, डॉ गोविन्द प्रसाद, वंदना चौधरी, सरिता चौधरी, कल्पाण पाण्डेय, शशि दर्शन, कुलदीप चौधरी, वर्षा पटेल, अमनसेन आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 जुलाई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

बरसात और मुश्किलें

जिस्म झुलसाती गर्मी के बाद जिस मानसून के स्वागत में लोग पलक–पांवड़े बिछाए बैठे थे, उसके आने के बाद देश के विभिन्न भागों में बाढ़, भूस्खलन व जलभराव से सामान्य जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। विभिन्न राज्यों में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। भारत ही नहीं, पड़ोसी देश नेपाल में भूस्खलन के बाद दो बसें उफनती नदी में गिर गई, जिससे साठ लोगों के लापता होने की आशंका है। उत्तर प्रदेश में आठ सौ गांव बाढ़ से प्रभावित बताए गए, जिसमें करीब चालीस लाख लोगों पर इसका असर पड़ा है। कई गांवों में घर से काम पर निकलने के लिये लोगों ने नावों का इस्तेमाल किया। दिल्ली–लखनऊ हाईवे पर तीन फीट से अधिक पानी खड़ा था। जिसके कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से निकाला जा रहा है। पीलीभीत के एक डैम का पानी छोड़े जाने से दर्जनों गांव जलमग्न हो गए। गांवों में चार से पांच फीट तक पानी भर जाने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि ऐसी बाढ़ डेढ़ दशक बाद देखी गई है। कई स्थानों पर राप्ती नदी खतरे के निशान को पार कर बह रही है, जिससे कई गांवों पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। लाखों हेक्टेयर में खड़ी फसल जलमग्न हो गई है। कई जगह कटाव के कारण जल भराव देखा गया है। नेपाल से लगते उत्तर प्रदेश के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें राहत व बचाव में लगी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई सर्वेक्षण से बाढ़ का जायजा लिया है। देश की वाणिज्य राजधानी मुंबई में भी मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह बाधित रहा। जहां एक ओर सड़कें जलमग्न रही, रेल की पटरियों में पानी भर गया तो हवाई यात्रा भी बाधित हुई। कई एअरलाइन्स को एडवाइजरी जारी करनी पड़ी कि हवाई जहाजों को उड़ान भरने में देरी हो सकती है।

वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड में बारिश कहर बनकर बरस रही है। पिछले पांच दिन से लगातार जारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से करीब दो सौ से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सबसे चिंताजनक हालात चारधाम मार्ग पर हैं। करीब दो दर्जन स्थानों पर हुए भारी भूस्खलन से चारधाम यात्रा मार्ग पिछले तीन दिन से बंद है। जिसके चलते करीब चार हजार श्रद्धालु बीच में ही फंसे हुए हैं। बद्रीनाथ रूट पर भूस्खलन के कारण दोनों तरफ लंबा जाम लगा है। सड़कों के किनारे गाड़ियों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई गहरे निचले इलाकों में जलभराव के कारण यातायात ठप हो गया है। हालांकि बद्रीनाथ मार्ग पर प्रशासन सड़कों से मलबा हटाने में जुटा है लेकिन बारिश के कारण राहत कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। यही वजह है कि अधिकांश श्रद्धालु जोशीमठ के आसपास फंसे हुए हैं। उधर भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई के लिये यलो अलर्ट जारी किया है। यानी दिन भर बारिश होने की बात कही जा रही है। तो ठाणे व नवी मुंबई के लिये ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं निचले इलाकों में जलभराव से जनजीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो रहा है। दूसरी ओर मौसम विभाग ने देश के सत्रह राज्यों में भारी बारिश का अंदेशा जताया है। इन राज्यों में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व जम्मू–कश्मीर भी शामिल हैं। समुद्र तट से लगने वाले कुछ राज्यों में बिजली गिरने व तूफान की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। कुछ इलाकों में मछुआरों को समुद्र तटीय इलाकों में न जाने की सलाह दी गई है। वहीं बारिश के सकारात्मक पक्ष की बात यह कि करीब डेढ़ सौ जलाशयों की निगरानी करने वाले सेंटर वॉटर कमीशन ने घोषणा की है कि जलाशयों का जलस्तर पिछले दस महीनों में पहली बार बढ़ा है। लेकिन एक बात तो साफ है कि शासन–प्रशासन समय रहते न तो अतिवृष्टि के प्रभावों को कम करने के ठोस कदम उठाता है और न ही इस चुनौती से मुकाबले के लिये लोगों को जागरूक करता है।

यूपी में भाजपा के सामने नई चुनौतियां

—अजय कुमार—

लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में काफी नुकसान उठाना पड़ा। यूपी की वजह से केंद्र में मोदी की पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं बन पाई,जो बीजेपी यूपी में 80 सीटें जीतने का सपना पाले हुए थी,वह 33 सीटों पर सिमट गई ।बीजेपी का ग्राफ इतनी तेजी से गिरा की अब तो विपक्षी नेता खासकर राहुल गांधी और अखिलेश यादव तो दिल्ली में मोदी को सबक सिखाने के पश्चात तीन साल बाद 2027 में योगी को भी धूल चटाने की बात करने लगे हैं। 2027 में उत्तर प्रदेश विधान सभा के चुनाव होने हैं और तब योगी की प्रतिष्ठा दांव पर होगी। 2027 के चुनाव में जहां राहुल गांधी और अखिलेश यादव बढ़े हुए मनोबल के साथ मैदान में उतरेंगे,वहीं बीजेपी को 2024 के नतीजे कचोटते रहेंगे,जबकि भारतीय जनता पार्टी 2024 जैसे चुनावी नतीजे 2027 विधान सभा चुनाव में नहीं देखना चाहती है। इसी लिये बीजेपी आलाकमान के साथ–साथ सीएम योगी आत्यिनाथ उन मुद्दों की धार कुंद करने में लग गये हैं जिसके सहारे कांग्रेस–सपा गठबंधन ने बीजेपी को आईना दिखाया था।

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने संविधान,दलित ओबीसी आरक्षण, बेरोजगारी,महंगाई को बीजेपी के खिला। सबसे मजबूत चुनावी हथियार बनाया था। अबकी से राहुल के मुंह से आडानी–अंबानी,नोटबंदी, राफेल विमान खरीद भ्रष्टाचार,चौकीदार चोर है,जैसे तमाम जुमले सुनने को नहीं मिले थे।राहुल गांधी के साथ–साथ अखिलेश यादव भी अपनी जनसभाओं में दो ही बातें दोहराते रहे,पहला मोदी को 400 सीटें मिली तो वह संविधान बदल देंगे दूसरा दलितों और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर दिया जायेगा।इसके अलावा राहुल की महिलाओं को 8500 रूपये प्रति माह देने की गांरटी ने भी बीजेपी का खेल बिगाड़ दिया।चुनाव बाद भी जिस तरह से राहुल गांधी संविधान की किताब लिये घूम रहे हैं उसकी काट के लिये अब मोदी सरकार ने इमरजेंसी के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। मोदी के मंत्री से लेकर छोटे–बड़े सभी नेता लगातार बता रहे हैं कि 1975 में किस तरह से तत्कालीन इंदिरा गांधी की सरकार ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की आत्मा को तार–तार कर दिया था।सदन में तो इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव तक पास हो गया। सबसे खास बात यह रही कि मोदी सरकार जब इमरजेंसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाई तो इसके खिलाफ कांग्रेस सदन में अकेले ही खड़ी नजर आई। राहुल के सबसे मजबूत साथी समझे जाने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इमरजेंसी मुद्दे पर कांग्रेस के साथ नहीं गये।

बहरहाल,आम चुनाव में इंडी गठबंधन के कुछ दमदार और असरदार साबित हुए मुद्दों की धार को मोदी सरकार कम करने में लगी है तो दूसरी ओर गठबंधन के कुछ मुद्दों की हवा निकालने के लिये योगी सरकार ने अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रखी है। योगी ने इसके लिये अभी से सरकार के पेंच कसना शुरू कर दिये हैं। संगठन स्तर पर भी काम चल रहा है। यूपी विधान सभा चुनाव 2027 के शुरुआती तीन–चार महीनों में सम्पन्न होना है। इस हिसाब से सरकार के पास तीन साल से भी कम का समय बचा है।यह तय माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए विधान सभा चुनाव में बीजेपी खराब छवि वाले विधायकों का टिकट काटने में भी आलाकमान परहेज नहीं करेगा।गौरतलब हो, हाल में सम्पन्न लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद से काफी कम सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग ने जो आकड़े जारी किये हैं उसके अनुसार यूपी में 80 लोकसभा सीटें जिसके अंतर्गत 403 विधान सभाएं आती हैं,वहां अबकी से बीजेपी 162 विधान सभा क्षेत्रों में समाजवादी और कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशी से पिछड़ गई थी। इन 162 विधान सभा क्षेत्र के विधायकों पर भी गाज गिर सकती है।

वहीं 2027 में विपक्ष एक बार फिर से बेरोजगारी को मुद्दा नहीं बना पाये इसके लिये योगी ने सभी खाली पड़े रिक्त पदों को भरने के लिये बम्पर नौकरियां निकाली हैं। अभी एक लाख नौकरियां निकाले जाने की बात कही जा रही है जिसका आकड़ा 2027 के विधान सभा चुनाव की तारीख नजदीक आने तक पांच लाख तक पहुंच सकता हे।इसी के साथ पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने और इसमें लिप्त अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये भी एसटीएफ तेजी से काम कर रही है।बेरोगारी और पेपर लीक की घटनाओं के चलते युवा वर्ग केन्द्र और राज्य सरकारों के खिलाफ काफी आक्रोशित है।उधर, इन युवाओं को गुस्से को विपक्ष हवा–पानी देने का काम कर रहा है। ऐसी ही एक मोदी सरकार की एक और योजना अग्निवीर भी सरकार के लिये बढ़ा मुद्दा बना हुआ है। विपक्ष लगातार इसे खत्म करने की मांग कर रहा है। इस योजना का दुष्प्रभाव मोदी सरकार लोकसभा चुनाव में देख भी चुकी है। कुल मिलाकर योगी सरकार बम्बर नौकरियां निकाल कर विपक्ष को उसकी बेरोजगारी वाली सियासत से 'बेरोजगार' करना चाहती है।

बात सरकार से हटकर संगठन स्तर की कि जाये तो लोकसभा चुनाव में यूपी से मिली चोट भाजपा को बेचैन किए हुए हैं।योगी की छवि पर भी प्रश्न चिन्ह लगा है। केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार के गठन के बाद भाजपा के जिम्मेदार अब यूपी में पार्टी के ग्राफ गिरने के कारणों की पड़ताल पर लगा है। पार्टी स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल ने वोट में आई गिरावट को लेकर चर्चा की। तय किया गया है कि भाजपा के पक्ष में कम मतदान की जांच होगी। दरअसल, यूपी के चुनाव परिणाम से भाजपा के स्थानीय से लेकर शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार करीब नौ फीसदी कम वोट मिले हैं। अब इन्हीं वोट का पता लगाने को लेकर माथापच्ची शुरू हो गई है कि आखिर यह वोट भाजपा से छिटक कर कहां गया। इसका पता करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इसमें संगठन के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाएगा। फोर्स के सदस्य गांव–गांव जाकर यह पता लगाएंगे कि भाजपा के कोर वोटर माने जाने वाले ओबीसी और दलितों में सेंध किस दल ने लगाया है।

यह भी पता लगाया जाएगा कि गैर यादव ओबीसी और गैर जाटव दलितों को भाजपा से बिदकाने में किन–किन लोगों का हाथ है। साथ ही भितरघात करने वाले पार्टी नेताओं का भी पता किया जाएगा। केंद्र में भले ही लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बन गई है लेकिन पार्टी के लिए सबसे मजबूत सियासी जमीन यूपी में खिसकने की टीस सभी नेताओं को हो रही है। इसलिए अब पार्टी ने नुकसान पहुंचाने वालों के साथ उन मतदाताओं के बारे में भी पता लगाने का फैसला किया गया है कि जो इस बार भाजपा के बजाए विपक्ष की तरफ खिसक गए हैं। यूपी में बीजेपी का ग्राफ गिरने की पूरी समीक्षा के बाद यूपी बीजेपी में संगठन स्तर पर भी कई बदलाव हो सकते हैं। यूपी बीजेपी को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल सकता है और यह दलित अथवा पिछड़ा समाज को हो तो कोई आश्चर्य नहीं है।वैसे कयास यह भी लगाये जा रहे हैं कि योगी सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एक बार फिर संगठन में आना चाह रहे हैं। मौर्य के यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रहते 2014 में पार्टी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

भाजपा इस बात को लेकर बेहद चिंतित है कि वर्ष 2017 में रिकॉर्ड 312 विधानसभा सीटों और 2022 के विधान सभा चुनाव में भी भगवा परचम लहराकर बहुमत की सरकार बनाने वाली भाजपा अबकी लोकसभा चुनाव में 162 सीटों पर ही कैसे पिछड़ गई। वहीं 2017 में कांग्रेस से हाथ मिलाने पर भी 47 सीटों पर सिमटकर सत्ता गंवाने वाली सपा इस चुनाव में सर्वाधिक 183 सीटों पर आगे रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो विधायक वाली पार्टी बनी कांग्रेस, लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन कर 40 विधानसभा सीटों पर अव्वल आई। वैसे सच्चाई यह भी है कि 2017 के विधान सभा चुनाव के बाद से यूपी में एनडीए का ग्राफ लगातार गिर रहा था,लेकिन इस ओर किसी ने विशेष ध्यान नहीं दिया। एनडीए के सहयोगी अपना दल(एस) व सुभासपा संग सरकार बनाने वाली भाजपा को पहला झटका 2019 के लोकसभा चुनाव में लगा। तब सपा–बसपा–रालोद के मिलने पर भाजपा के सांसद जहां 71 से घटकर 62 रह गए। वहीं पार्टी 274 विधानसभा सीटों पर ही बढ़त बना सकी थी। 2.019 में सपा के पांच सांसद जीते और पार्टी 44 विधान सभा सीटों पर आगे रही थी, जबकि 10 सांसद वाली बसपा 66 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। सिर्फ रायबरेली लोकसभा सीट जीतने वाली कांग्रेस मात्र नौ सीटों पर ही औरों से आगे निकली थी। इसी तरह 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा यूपी में फिर सरकार बनाने में तो कामयाब रही, लेकिन उसकी सीटों और घट गई। भाजपा इस चुनाव में सिर्फ 255 सीटें ही हासिल कर सकी थी। रालोद व सुभासपा को साथ लेने से भी सपा पांच वर्ष बाद सरकार में वापसी तो नहीं कर सकी, लेकिन उसकी सीटें जरूर 47 से 111 हो गईं। सपा से हाथ मिलाने पर रालोद के आठ व सुभासपा के छह विधायक भी जीते। इसी तरह भाजपा के साथ रहने पर अपना दल (एस) के 12 विधान सभा उम्मीदवार जीते। अकेले चुनाव लड़ी कांग्रेस दो और बसपा एक ही सीट जीत सकी थी। यहां तक तो 'भगवा दल' के लिए किसी तरह के बड़े सियासी खतरे के संकेत नहीं थे, लेकिन इस लोकसभा चुनाव के आए नतीजे हर लिहाज से सत्ताधारी भाजपा के लिए खतरे की घंटी साबित हुए।

2024 लोकसभा चुनाव में घटते जनाधार के कारण भाजपा के जहां मात्र 33 सांसद रह गए है।वहीं विधानसभा सीटों पर भी दबदबा घट गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में 255 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार सिर्फ 162 सीटों पर ही बढ़त मिली है। सपा के साथ छोड़ फिर एनडीए के साथ आया रोलाद तो दो सांसदों के साथ आठ विधानसभा सीटों पर आगे रहा लेकिन एक सीट गंवाने वाला अपना दल (एस) सिर्फ चार विधानसभा क्षेत्रों में ही आगे है। सपा के अबकी कांग्रेस से हाथ मिलाने पर 37 सांसद तो जीते ही, उसे सर्वाधिक 183 विधानसभा सीटों पर बढ़त भी मिली है। यही वजह है कि दोनों ही पार्टियों के नेता न केवल उपचुनाव बल्कि अगला विधानसभा चुनाव भी साथ–साथ लड़ने की बात कहे रहे है।

कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव में भाजपा के एनडीए और कांग्रेस–सपा के आइएनडीआइए के बीच हुई लड़ाई को अगर विधानसभावार देखा जाए तो विपक्षी गठबंधन , सत्ताधारी एनडीए पर बहुत भारी दिखता है। एनडीए को जहां 174 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली वहीं विपक्षी गठबंधन 224 सीटों पर आगे रहा है। 50 सीटों पर आगे रहना वाला विपक्षी गठबंधन, राज्य में सरकार बनाने के लिए जरूरी 202 सीटों के जादुई आंकड़े से कहीं अधिक है।इसी चिंता से मोदी–योगी और बीजेपी मुक्ति चाहते हैं।

योगी लगातार भाजपा के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों में जोश भरने का काम कर रहे योगी अपने कार्यकर्ताओं को समझा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में विरोधियों के दुष्प्रचार और भ्रम जाल में फंसकर कई वोटर भाजपा से दूर चले गये थे,जिनको वापस अपने पाले में लाना होगा। मुख्यमंत्री ने बूथ स्तरीय पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि रूठे लोगों के मनाएं और उन्हें दोबारा भाजपा के साथ मजबूतों से जोड़ें। मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि बूथ प्रभारी अपने–अपने बूथ पर मिले वोटों की समीक्षा करें। 2017 और 2022 के विधानसभा और 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले वोटों के आधार पर नए सिरे से रणनीति बनाकर 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में अभी से जुट जाएं। स्वयं समीक्षा करें कि वोटों का अंतर क्यों कम हुआ है। जो कारण मिले उसे दूर करने की दिशा में काम करें।

आतंक के विरुद्ध जिहाद की सबसे बड़ी मिसाल है 'करबला'

—तनवीर जाफरी—

इन दिनों पूरे विश्व में इस्लामिक कलेण्डर के पहले महीने यानी माह ए मुहर्रम के दौरान इस्लामी इतिहास की शहादत की सबसे अजीम घटना को याद किया जा रहा है। लगभग 1450 वर्ष पूर्व 10 अक्टूबर 680 अथवा इस्लामिक कलेण्डर के अनुसार 10 मुहर्रम 61 हिजरी को इराक के करबला क्षेत्र में इसी मुहर्रम महीने के दौरान स्वयं को मुसलमान कहने वाले एक अधर्मी शासक यजीद इब्ने मुआविया ने पैगंबर हजरत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन व उनके पूरे परिवार को कत्ल करने का आदेश अपनी लाखों की सेना को दिया था। उधर हुसैन ने अपने 72 परिजनों व सहयोगियों के साथ दसवीं मुहर्रम को कर्बला में तेज गर्मी के तपते रेगिस्तानी मैदान में तीन दिनों तक भूखे व प्यासे रहते हुये अपनी व अपने परिवार के अनेक लोगों की बेशकीमती शहादत देकर यह साबित किया था कि हजरत मोहम्मद के परिजनों व इस्लाम के वास्तविक वारिसों द्वारा अहंकारी ,अधर्मी,अय्याश व क्रूर शासक को कभी भी इस्लामी साम्राज्य के शासक के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती।

करबला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन ने अपनी,अपने छः महीने के मासूम बच्चे अली असगर जवान बेटे अली अकबर व भाई अब्बास जैसे बहत्तर साथियों को अधर्म के विरुद्ध जिहाद बोलते हुये कुर्बान किया इन शहादतों की कोई दूसरी मिसाल नहीं है। उधर दूसरी तरफ यजीद व उसकी सेना द्वारा यहीं पर क्रूरता का वह इतिहास रचा गया जिसकी दूसरी मिसाल पूरी पृथ्वी पर कहीं नहीं मिलती। यही वजह है कि दास्तान – ए – करबला को गलत(बातिल) के विरुद्ध सत्य (हक) के लिए संघर्ष और अन्याय और झूठ के खिलाफ न्याय और सत्य के लिए बलिदान के प्रतीक के रूप में हमेशा जाना जाता रहेगा। करबला में इमाम हुसैन ने अपनी कुर्बानी देकर पूरे विश्व के सभी धर्मों व सम्प्रदाय के लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसीलिये आज पूरी पृथ्वी पर हजरत हुसैन के चाहने वाले व उनका गम मनाने वाले मिल जायेंगे।

आज इस्लाम को बदनाम करने व इसपर आतंकवाद का लेबल चिपकने की विश्वव्यापी कोशिशें की जा रही हैं। ऐसे में इस बहस पर चर्चा होना लाजिमी है कि इस्लाम का वास्तविक संरक्षक व मार्गदर्शक कौन है ? क्या सिर पर इस्लामी टोपी पहनने से,कुरआन की आयतें पढ़ने से,हाफिज व कारी बनने से,मुफ्ती व मौलवी कहलाने से अजान,नमाज व रोजे अदा करने,कलमा पढ़ने,हज,जकात अदा करने आदि के आधार पर किसी को सच्चा मुसलमान कहा जा सकता है ? यदि मुसलमान होने के लिये उपरोक्त दलीलें काफी हैं फिर तो करबला में यजीदी सेना के सिपाही व अधिकारी भी उस समय के नमाजी,कारी,कल्मागो,हाजी,हाफिज व रोजदार थे ? यदि यही बातें किसी को सच्चा मुसलमान बनाती हैं फिर तो अलकायदा में भी सभी लंबी दाढ़ी रखने वाले नमाजी व हाजी,हाफिज कारी मिलेंगे ? आई एस आई एस में भी ऐसे ही श्वेशधारीश मुसलमान मिल जायेंगे ? फिर तो क्रूर तालिबानियों का भी सच्चा मुसलमान कहने का दवा सही है ? पाकिस्तान से लेकर भारत व बांग्लादेश और भी कई देशों में ऐसे ही संगठनों द्वारा इस्लाम व मुसलमान के नाम पर किये जा रहे आतंकी हमलों को भी क्या इस्लामी शिक्षा से प्रेरित कहा जा सकता है ? जैसा कि वैश्विक स्तर पर प्रयास भी किया जा रहा है ?

जी नहीं, यजीद से लेकर अलकायदा,आई एस और तालिबानों जैसे अनेक आतंकी संगठन सभी लगभग एक ही विचारधारा से प्रेरित हैं। यह इस्लाम और मुसलमानों का नाम केवल इसलिये लेते हैं ताकि इस्लामी जगत को धोखे में रखकर उसका नैतिक समर्थन हासिल किया जा सके । इनका वजूद पूर्णतयः राजनैतिक मकसदों को हासिल करने के लिये है। इन्हें सत्ता चाहिये और सत्ता का विस्तार चाहिये। करबला में हजरत हुसैन ने अपने समय के सर्वशक्तिशाली चरित्रहीन सीरियाई शासक यजीद को इस्लामी शासक के रूप में मान्यता देने व उसे इस्लामी शासक स्वीकार करने से इसीलिये इनकार कर दिया था ताकि इतिहास इस बात का गवाह रहे कि हजरत मुहम्मद के इस्लामी सिद्धांत किसी दुश्चरित्र अपवित्र अहंकारी व जालिम बादशाह को इस्लामी सल्तनत का बादशाह स्वीकार करने की कतई इजाजत नहीं देते। इसीलिये हजरत हुसैन ने इस्लामी मूल्यों की रक्षा के लिये यजीदी आतंक व यजीदी विचारधारा के विरुद्ध जिहाद किया था। नतीजतन हजरत हुसैन को अपने पूरे कुंबे की कुरबानी देनी पड़ी थी ?

आज भी दुनिया के अनेक देश या तो आतंकी संगठनों की गिरफ्त में हैं,या वहां ऐसी ही विचारधाराओं के लोग सत्ता में हैं। और जिस वर्ग का भी व्यक्ति या जमाअत इन्हें बेनकाब करती है, जो भी इनका श्यजीदी कनेक्शनश सार्वजनिक करते हैं यह उनकी जान के दुश्मन बन जाते हैं। ये मस्जिदों,दरगाहों, ईमामबारगाहों ,जुलूस व मीलाद पर होने वाले हमले,मस्जिदों में व मुहर्रम के जुलूसों में हो रहे आत्मघाती हमले,वक़्त वक़्त पर आतंकी संगठनों द्वारा घोषित फर्जी जिहाद,यह सब यजीदी विचारधारा को पोषित करने वाले संगठनों व उनसे जुड़े लोगों के काम हैं। परन्तु चूँकि यह लोग अपनी सभी अमानवीय गतिविधियां इस्लाम का नाम लेकर और हाथों में इस्लामी कलमा लिखा झंडा लेकर अंजाम देते हैं इसलिये पारम्परिक रूप से इस्लाम विरोधी पूर्वाग्रह रखने वाला विश्व का एक बड़ा वर्ग इसे इस्लामी शिक्षा व समग्र मुस्लिम कृत्य के रूप में पेश करता है।

सियाचिन में 'ऑपरेशन मेघदूत'

—अलकनंदा सिंह—

सियाचिन में चला 'ऑपरेशन मेघदूत' सैन्य इतिहास की एक अविस्मरणीय गाथा है। ऑपरेशन भले ही 1984 में हुआ, लेकिन इसकी भूमिका भारत के विभाजन के वक्त ही लिखी गई। पटकथा का बड़ा अंश कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धों के वक्त लिखा गया। दरअसल, इस युद्ध के बाद 1949 में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच कराची समझौता हुआ। इसके अनुसार अविभाजित कश्मीर में एक युद्धविराम रेखा (सीएफएल) पर सहमत हुए। युद्धविराम रेखा का सबसे पूर्वी हिस्सा एनजे 9842 नामक एक बिंदु से आगे खींचा गया था। समझौते में शामिल भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सचिव रहे स्वर्गीय लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिन्हा ने बाद में लिखा, 'उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि एनजे 9842 से आगे की ऊंचाइयों पर सैन्य अभियान हो सकते हैं।'

वर्ष 1982 में जब लेफ्टिनेंट जनरल एम.एल. छिब्बर उत्तरी सेना कमांडर थे, तो उन्हें पाकिस्तानी सेना का एक विरोध पत्र दिखाया गया। जिसमें भारत को सियाचिन से बाहर रहने की चेतावनी दी गई थी। सेना ने कड़े शब्दों में इसका विरोध दर्ज कराया और 1983 की गर्मियों के दौरान ग्लेशियर पर गश्त जारी रखने का फैसला किया। भारतीय सेना समझ गई कि पाकिस्तानी सेना सियाचिन ग्लेशियर पर धावा बोलने की तैयारी में है।

तत्कालीन लेफ्टिनेंट जनरल मनोहर लाल छिब्बर, ले. ज. पीएन हून और ले. ज. शिव शर्मा के नेतृत्व में भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन मेघदूत' शुरू कर दिया। साल्टोरो रिज पर कब्जे के लिए 10 से 30 अप्रैल के बीच किसी भी दिन ऑपरेशन शुरू करने की योजना बनी। इसका नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई ब्रिगेडियर विजय चन्ना को। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती थी खराब मौसम और अत्यधिक ठंड, जहां तापमान माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाता है। पहले चीता हेलीकॉप्टर ने 13 अप्रैल को सुबह 5रू30 बजे कैप्टन संजय कुलकर्णी और एक सैनिक को लेकर बेस कैंप से उड़ान भरी। दोपहर तक 17 ऐसी उड़ानें भरी गईं और 29 सैनिकों को बिलाफोंड ला में उतारा गया। जल्द ही, मौसम खराब हो गया और पलटन मुख्यालय से कट गई। तीन दिनों के बाद संपर्क स्थापित हुआ, जब पांच चीता और दो एमआई–8 हेलीकॉप्टरों ने 17 अप्रैल को सिया ला के लिए रिकॉर्ड 32 उड़ानें भरीं। ऑपरेशन मेघदूत भारतीय सैन्य इतिहास में एक प्रेरणादायक अध्याय है।

साभार – अब छोड़ो भी डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

विभिन्न मांगों को लेकर डीआईओएस कार्यालय पर शिक्षक

संवाददाता—कुशीनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ कुशीनगर चेत नारायण गुट की बैठक हुई। इसमें पुरानी पेंशन को बहाल करने, आठवां वेतन आयोग गठित करने समेत सभी मांगों को लेकर 18, 19 और 20 जुलाई को डीआईओएस कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

मुख्य अतिथि संगठन के प्रांतीय मंत्री व जिलाध्यक्ष ज्योतिष कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षक हितों की विरोधी है। शिक्षकों की मांगों पर विचार नहीं कर रही है। शिक्षक संगठन पुरानी पेंशन को बहाल कराने, आठवां वेतन आयोग गठित करने, वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिलाने, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की सेवा को जोड़ते हुए पुरानी पेंशन का लाभ देने, सर प्लस शिक्षकों का समायोजन का विरोध, तदर्थ शिक्षकों को विनियमित कराने, वेतन भुगतान संबंधित कोर्ट के नवीनतम निर्णय का अनुपालन कराने, एनपीएस का हिसाब मांगने, कटौती को अपडेट करवाने और कंप्यूटर व व्यवसायिक शिक्षकों को पद के प्रति समायोजित करने समेत अन्य मांगों को लिए कई बार शासन और प्रशासन को मांग पत्र सौंपा गया है, लेकिन इस संबंध में अब तक कोई साकारात्मक पहल नहीं हुआ है। इसके विरोध में 18, 19 व 20 जुलाई को संगठन की तरफ से दोपहर दो बजे से पांच बजे तक जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान अशोक कुमार चौरसिया, महेश कुमार मिश्रा, सुनील कुमार श्रीवास्तव, नितीश श्रीवास्तव, रजनीश कुमार सिंह, ऋषिकेश पटेल, राजेश पाठक, उपेंद्र प्रसाद, राजेश राम, जितेंद्र मणि त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

150 से अधिक अध्यापकों ने अतिरिक्त कार्य से इस्तीफा दिया

संवाददाता—बलरामपुर। ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में जिले के परिषदीय स्कूलों के न्याय पंचायत स्तर पर तैनात शिक्षक संकुल ने सामूहिक इस्तीफा दिया है। जिले के नौ विकास खंडों में तीन शिक्षा क्षेत्र के संकुल अध्यापकों ने खंड शिक्षाधिकारियों को सामूहिक त्यागपत्र दिया है। अचानक संकुल अध्यापकों के त्यागपत्र देने से बेसिक शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। इन सभी के त्यागपत्र देने से विभागीय कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। करीब 150 से अधिक संकुल अध्यापकों ने अतिरिक्त कार्य से त्यागपत्र देते हुए अपने मूल पद अध्यापक पर वापस होने का निर्णय लिया है। जिले में नौ शिक्षा क्षेत्र सहित एक नगर संसाधन केंद्र संचालित हैं। इनमें शिक्षा क्षेत्र पचपेड़वा, तुलसीपुर व रेहरा बाजार के करीब 150 से अधिक संकुल अध्यापकों ने सामूहिक त्यागपत्र संबंधित ब्लाक संसाधन केंद्र के खंड शिक्षाधिकारी को दिया है। संकुल अध्यापकों का आरोप है कि निदेशालय भौगोलिक स्थिति को देखे बगैर शिक्षकों पर ऑनलाइन उपस्थिति का दबाव बना रहा है जो अनुचित है। पहले शिक्षक समस्याओं का समाधान किया जाए उसके बाद ऑनलाइन हाजिरी लगाने के लिए शिक्षक पीछे नहीं हटेंगे। तुलसीपुर शिक्षा क्षेत्र के प्रधानाध्यापक व नोडल अध्यापक एवं धर्मेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि सरकार की ओर से अध्यापकों का 30 आकस्मिक अवकाश, 14 हाफ सीएल, राज्य कर्मचारी दर्ज अंतर्जनपदीय स्थानांतरण, राज्य कर्मचारी की भांति सुविधा, पुरानी पेंशन बहाली व पदोन्नति आदि समस्या के समाधान न करने के बजाय उल्टे शिक्षकों को ऑनलाइन हाजिरी के जरिए उसे पर परेशान किया जा रहा है। शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी से पीछे नहीं हटेंगे। सिर्फ उनके समस्याओं का पहले समाधान कर दिया जाए। इसी मुद्दे को लेकर तुलसीपुर ब्लॉक के सभी संकुल अध्यापक सामूहिक पद से इस्तीफा दिया है। तुलसीपुर शिक्षा क्षेत्र के सामूहिक त्यागपत्र देने वाले नोडल शिक्षक में धर्मेंद्र कुमार शुक्ला, दिलीप कुमार, राजेंद्र त्रिवेदी, अजय मिश्रा, धर्मेंद्र गुप्ता, अशोक गौतम, सत्य प्रकाश, जय सिंह, बाबूलाल, नागेंद्र दुबे व जसवंत शुक्ला सहित भारी संख्या में शिक्षक शामिल रहे। इस विकासखंड के 55 संकुल अध्यापकों ने सामूहिक त्यागपत्र खंड शिक्षाधिकारी कार्यालय तुलसीपुर को दिया है। इसी क्रम में शिक्षा क्षेत्र पचपेड़वा के 55 संकुल अध्यापकों ने शिक्षक समस्याओं के समाधान न होने एवं ऑनलाइन हाजिरी के दबाव में सामूहिक इस्तीफा खंड शिक्षाधिकारी को दिया है। इनमें मुख्य रूप से राजेश कुमार, अनिल कुमार, सुरेंद्र कुमार, मनोज कुमार मिश्रा, शिवराम सिंह, कृष्ण गोपाल वर्मा, सुरेंद्र साहनी, सुरेश चतुर्वेदी, रमेश कुमार, आलोक कुमार पाठक, अपर्णा यादव, संजय यादव, शाह आलम, अनूप वर्मा, विक्रम प्रजापति, नित्यानंद सिंह सहित 55 संकुल अध्यापक शामिल हैं।

शुभम शुक्ला बीएसए ने कहा कि संकुल अध्यापकों के सामूहिक त्यागपत्र के संबंध में अभी विभाग में कोई जानकारी नहीं है। खंड शिक्षाधिकारियों से इस संबंध में वार्ता की जा रही है। किसी भी संकुल अध्यापक का त्यागपत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभाग उनसे वार्ता कर समाधान का रास्ता निकालने का प्रयास करेगा।

गांव से शहर में हुए शामिल, फिर भी शहरी आवास का नहीं मिला लाभ

संवाददाता—कुशीनगर। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद विस्तारित क्षेत्र के लोग शहरी पीएम आवास को लेकर अब आस जग गई है। लम्बे समय के इंतजार के बाद पडरौना नगर पालिका सहित नगर पंचायत रामकोला व सेवरही क्षेत्र का भी विस्तार कर कई गांवों को शहर में शामिल किया गया। लेकिन विस्तारित क्षेत्र के लोगों को अब तक शहरी प्रधानमंत्री आवास का लाभ नहीं मिल सका है। तीनों निकायों के विस्तारित क्षेत्रों में करीब 3960 लोगों की पीएम आवास के लिए पात्रता होने की सूची डूडा कार्यालय में होने के बाद भी इनको और इंतजार करना पड रहा है। चुनाव के वजह से कार्य प्रभावित हो गया था अब चुनाव खत्म होने के बाद लाभार्थी कार्यालयों का चक्कर काटना शुरु कर दिये हैं।

नगरीय निकाय के चुनाव में जिले के कई नये नगर पंचायतों का गठन और पुराने निकायों में विस्तारित क्षेत्रों को शामिल कर चुनाव कराया गया था। गांवों से शहरों में शामिल होने वाले लोगों को शहरी सुविधा भी दी गई। लेकिन विस्तारित क्षेत्र के लोग शहरी पीएम आवास से अभी भी वंचित हैं। वजह यह है कि शासनादेश के अनुसार नव गठित नगर पंचायतों और पूर्व में आवासों के लाभार्थियों को पहली, दूसरी व तीसरी किस्त की धनराशि भेजने का आदेश किया गया है। जिसके तहत विभाग द्वारा सभी नगर निकायों में करीब 35 हजार 171 लोगों को योजना से लाभान्वित करते हुये पहली, दूसरी और तीसरी किस्त की धनराशी भी भेजी जा चुकी है। जबकि विस्तारित क्षेत्र के 3960 लोगों का शहरी पीएम आवास के लिए पात्रता की फाइलें डूडा कार्यालय में दो से तीन वर्षों से पड़ी हैं। विस्तारित क्षेत्र पडरौना में 1700, रामकोला 1550 और सेवरही में 710 लोगों के पात्रता की जांच भी पूरी हो चुकी है। लेकिन शासन के आदेश में विस्तारित क्षेत्रों में अभी किसी भी तरह की गाईड लाइन नहीं आने से विभाग कोई निर्णय नहीं ले पा रहा है। इससे विस्तारित क्षेत्र के लोगों में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ग्राम सभा से शहर में आने के बाद यह पात्र एक बार आवेदन कर चुके हैं और अब दुबारा आवेदन भी नहीं कर सकते। विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि विस्तारित क्षेत्रों के लिये अभी कोई गाईड लाइन शासन की ओर से नहीं आया है और जो धन प्राप्त हुआ था, उसे नव गठित नगर पंचायतों व अन्य लाभार्थियों के दूसरे व तीसरे किस्त को भेजने के लिये आदेशित हुआ था। विस्तारित क्षेत्रों के लिये जब कोई गाईड लाईन आयेगी तो उसका पालन कराया जायेगा। अभी ये मामला चल ही रहा था कि लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लग जाने के कार्य प्रभावित हो गये। चुनाव खत्म होने के बाद विस्तारित क्षेत्रों के लाभार्थी पीएम आवास के लिये नगर से लेकर जिला कार्यालयो का चक्कर लगाना शुरु कर दिये हैं।

कलेक्ट्रेट गेट पर शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशकों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—बलरामपुर। शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट गेट पर परिषदीय शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी सहित अन्य समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के बाद सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों ने उप जिलाधिकारी सदर राजेंद्र बहादुर को मुख्यमंत्री संबोधित सात सूत्री ज्ञापन सौंपा। समस्या का समाधान न होने पर आगामी 29 जुलाई 2024 को राजधानी के महानिदेशक कार्यालय कैंपस में धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर परिषदीय शिक्षकों ने दोपहर तीन बजे कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन के लिए एकत्रित हो गए। उसके बाद चार बजे तक समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष कमरुद्दीन अंसारी एवं बृजेश चौधरी ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को नजरंदाज कर सरकार तानाशाही कर रही है, जो उचित नहीं है। विशिष्ट बीटीसी संघ जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला एवं मंत्री तुलाराम गिरी ने कहा कि तानाशाही की सीमा बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है। सरकार सिर्फ शिक्षकों पर अपनी मनमानी कर उनका उत्पीड़न कर रही है। प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अजय सिंह एवं मंत्री मंगलदेव मिश्रा ने कहा कि शिक्षक एकजुट हैं। सरकार के तानाशाही का उन पर कोई असर नहीं होगा। उनकी समस्याओं का समाधान होने पर ही ऑनलाइन हाजिरी के लिए तैयार होंगे। एटा जिलाध्यक्ष देव कुमार एवं मंत्री अशोक सिंह ने 29 जुलाई तक शिक्षकों की समस्याओं का समाधान न होने पर राजधानी में प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। धरना प्रदर्शन के बाद सैकड़ों की संख्या में शिक्षकों ने जिलाधिकारी कार्यालय में जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। दिए गए ज्ञापन में मुख्य रूप से ऑनलाइन डिजिटल हाजिरी भौगोलिक स्थिति को देखते हुए अनुचित बताया। नियमों एवं सेवा शर्तों के विपरीत, तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाने, सभी परिषदीय शिक्षक कर्मचारी को अन्य कर्मचारियों की भांति प्रतिवर्ष 30 प्रतिकर अवकाश, अवकाश अवधि में विभागीय सरकारी कार्य पर बुलाए जाने पर प्रतिकर अवकाश, पुरानी पेंशन बहाल किए जाने, विद्यालयों में पदोन्नति के तहत प्रधानाध्यापक पद बहाल किए जाने व बिहार राज्य की तरह चिकित्सकीय अवकाश लाभ दिए जाने सहित कई मांग शामिल हैं। इस दौरान पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष कमरुद्दीन अंसारी, महामंत्री बृजेश चौधरी, विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ प्रांतीय कोषाध्यक्ष दिलीप चौहान, जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला, मंत्री तुलाराम गिरि, प्राथमिक शिक्षक संघ यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन जिलाध्यक्ष देव कुमार मिश्रा, महामंत्री अशोक कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष अजय सिंह, मंत्री मंगलदेव मिश्रा, महिला शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष प्रियंका श्रीवास्तव, अनुदेशक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष अमित कश्यप, अटेवा जिलाध्यक्ष अनुराग रस्तोगी, मंत्री इकबाल खान, शिक्षामित्र संघ अध्यक्ष राकेश प्रताप सिंह, मंत्री नान बाबू विश्वकर्मा, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष नवीन सिंह, मंत्री उमेश कुमार सहित अन्य संघ के पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में शिक्षक, शिक्षामित्र व अनुदेशक धरना प्रदर्शन में शामिल रहे।

भांजी की हत्या में मामी को आजीवन कारावास

संवाददाता—गोण्डा। अपर जिला जज सूर्य प्रकाश सिंह ने भांजी की गला दबाकर हत्या करने के जुर्म में मामी को उम्रकैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हर्षवर्धन पांडेय के अनुसार बहराइच जिले के फखरपुर थाना क्षेत्र ग्राम सौगाना निवासी रहीम पुत्र करीम ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रहीम अपनी अपनी पत्नी व बच्चों सहित करनैलगंज थानाक्षेत्र के ग्राम गौरवा खुर्द साईं तकिया में अपनी ससुराल में रहता था। उसके बड़े साले रवि अहमद की पत्नी नज्जो उसकी पत्नी व बच्चों को लेकर अक्सर लड़ाई करती थी। 18 अप्रैल 2022 को आरोपी महिला ने वादी की पत्नी सोनी बेगम से पुरा दिन झगड़ा किया। रात में उसकी बड़ी बेटी अल्फीसा को अपने पास बुला लिया और गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला के विरुद्ध हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित महिला को हत्या करने का दोषी करार दिया। कोर्ट ने हत्या की दोषी महिला को उम्रकैद व 22 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई।

चेक बाउंस मामले में कोर्ट के आदेश पर नौ के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता—बहराइच। कूट रचित तरीके से जमीन का एग्रीमेंट कराकर बैनामा कराए जाने व दस लाख के चेक बाउंस होने पर न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने नौ आरोपियों पर आधा दर्जन धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। नानपारा के पुरानी बाजार निवासी अशोक कुमार ने अपनी तहरीर में कहा कि उनका भाइयों के साथ बंटवारे को लेकर मुकदमा विचाराधीन है। विपक्षी ने साथियों के साथ मिलकर फर्जी तरीके से 18 जनवरी 2021 को हिस्से से अधिक भूमि का एग्रीमेंट करा लिया। जिसमें 10,00,000 के दो चेक दिए। बैंक में जमा करने पर दोनों चेक बाउंस हो गए। यह बात कहने पर विपक्षियों ने जमीन बेचकर पैसे देने की बात कही। जिस पर 28 फरवरी 2021 को छह लोगों को बैनामा करा दिया। पैसे देने पर टाल मटोल करते रहे। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दोषी व्यक्तियों पर मुकदमा पंजीकृत किया है।

दो वर्षीय बच्चे को छोड़ गायब महिला का रोहिन नदी में मिला शव

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र में शनिवार की रात दो वर्षीय मासूम बच्चों को बिस्तर पर छोड़ रहस्यमय परिस्थिति में गायब महिला का सोमवार को घर से सात किमी दूर दशरथपुर टोला पिपरडाले के समीप रोहिन नदी में उतराता मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सेमरहना निवासी संगीता पत्नी इन्द्रजीत (25) शनिवार की रात रहस्यमय स्थिति में घर से लापता हो गई। बिस्तर पर उसके दो वर्षीय बच्चे को रोते देख परिजन कमरे में पहुंचे। संगीता घर में नहीं मिली। परिजनों ने रात भर संगीता की काफी तलाश किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।

संगीता के गायब होने की सूचना पर नौतनवा पुलिस मौके पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों से पूछताछ में नदी में डूबने की आशंका देख पुलिस कर्मियों ने मदद के लिए एनडीआरएफ टीम को बुलाया। रविवार को एनडीआरएफ की टीम रोहिन नदी में संगीता को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाई लेकिन देर शाम तक उसका कहीं पता नहीं चला। रात में सर्च आपरेशन रोक दिया गया। सोमवार को दशरथपुर टोला पिपरडाले के समीप रोहिन नदी में उतराने की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को नदी से बाहर निकाला गया। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

मनोज कुमार राय, थानाध्यक्ष, ने कहा कि महिला के गायब होने को लेकर उसके ससुर दिनेश की सूचना पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह सामने आएगी। सभी बिन्दुओं पर जांच—पड़ताल की जा रही है।

नौखान में डूबे शिक्षामित्र का मिला शव, परिजनों में कोहराम

संवाददाता—बलरामपुर। भैंस चराने गए 50 वर्षीय शिक्षामित्र शिव नारायण साहू रविवार शाम करीब चार बजे बंधे पर भैंस चराने गए थे। राप्ती नदी के नौखान में पैर फिसले से वह डूब गए। एसडीआरएफ, पुलिस व स्थानीय गोताखोरों के अथक प्रयास से 17 घंटे बाद शिक्षामित्र का शव नौखान से निकाला गया। शिव नारायण के मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

मनोज कुमार साहू ने बताया कि उसके पिता शिव नारायण साहू प्राथमिक विद्यालय मस्जिदिया में शिक्षामित्र थे। रविवार को शाम करीब चार बजे गांव के बंधे पर भैंस चराने के लिए गए थे। उनके डूबने की खबर मिलते ही एसडीएम अवधेश कुमार, तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति, थाना प्रभारी दुर्विजय चौधरी, कानून गो वीरेंद्र भट्ट, हल्का लेखपाल मोहम्मद अकरम व ग्राम प्रधान दुखही मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और गोताखोरों की मदद से शिक्षामित्र की तलाश कराई गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका था। अंधेरा होने पर खोजबीन का काम रोकना पड़ा। सोमवार सुबह शिक्षामित्र को ढूंढने के लिए पुनः एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों को लगाया गया। सुबह करीब सवा नौ बजे डूबने वाले स्थान के निकट ही शिव नारायण का शव पाया गया। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी दुर्विजय चौधरी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथी शिक्षक मोहम्मद फिरोज, जगमोहन, मनोज कुमार, रामचंद्र गुप्त व समाजसेवी डॉ एहसान खान, डॉ अताउल्लाह खान, डॉ रफीउल्लाह खान व पूर्व प्रधान सलमान खान ने मृतक शिक्षामित्र के घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बंधाया।

टूरिस्ट परमिट पर कई प्रांतों तक दौड़ लगा रहीं डबल डेकर बसें

संवाददाता—बहराइच। बहराइच में भी उन्नाव के बांगरमऊ जैसी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है। यहां भी डग्गामार डबल डेकर बसें बिना फिटनेस व बीमा के ही कई प्रांतों तक यात्रियों को ढो रही हैं। यह सब खेल खुलेआम टूरिस्ट परमिट पर खेला जा रहा है। जिसकी जानकारी एआरटीओ तक को रहती है। इनके संचालन पर ब्रेक लगाना तो दूर की कौड़ी है, अधिकारी नोटिस तक जारी करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

जिले में डग्गामार वाहनों का संजाल फैला हुआ है। शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के चौक—चौराहों तक डबल डेकर डग्गामार वाहनों के स्टैंड बने हुए हैं, जहां बाकायदा बसों का ठहराव बना हुआ है। यहां से सवारियों को बसों में बैठाकर कई प्रांतों तक लाया व ले जाया जाता है। निर्धारित मानक के मुताबिक सवारियों को बैठाना तो दूर जिस बस में यात्री सफर करते हैं, इन वाहनों की फिटनेस व बीमा तक नहीं रहता है। धड़ल्ले से अधिकारियों के सामने खचाखच सवारियों से भरी डबल डेकर बसें सड़कों पर फर्राटा भर रही हैं। जहां अन्य वाहनों को पुलिस व एआरटीओ चेकिंग लगाकर परीक्षण करते हैं। नियमों की दुहाई देकर भारी भरकम जुर्माना ठोक रहे हैं, वहीं ऐसी बसों को इशारों की हरी झंडी देखकर खुद ही रवाना करते हैं। ऐसे में हाल ही में हुए उन्नाव के बांगरमऊ की घटना कब बहराइच में घटित हो जाए, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। समय रहते ऐसी बसों के संचालन पर ब्रेक नहीं लगा तो राजस्व को भी भारी नुकसान होता रहेगा। नेपाल सीमा से लगा रुपईडीहा अवैध स्टैंड का हब बन गया है। यहां नेपाल से भारत आने वाले कामगारों को दिल्ली, पंजाब, हरिद्वार, देहरादून, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान पहुंचाने के लिए बोली लगती है। यहां 15 से अधिक अवैध बस स्टैंडों का संचालन जिम्मेदार अधिकारियों के नाक के नीचे हो रहा है। अवैध संचालन रोकने की हिम्मत जिम्मेदार अधिकारी नहीं जुटा पा रहे हैं, जिसके चलते अवैध कारोबार फलफूल रहा है।

यूं ही खुलेआम बार्डर चेकपोस्ट के पास दलाल नेपाल से आने वाले कामगारों पर डोरे नहीं डालते हैं, बल्कि थाने के पास ही खुले में दलाल नेपाली सवारियों का टोकन काटते हैं। पहले से तय रिक्शों से सवारियों को गंतव्य तक पहुंचाया जाता है। यह सब देखते हुए भी पुलिस अधिकारी अपने आंखे मूंदे हुए हैं। नेपाल से भारत के विभिन्न प्रांतों में काम करने की उम्मीद लेकर रुपईडीहा पहुंचने वाले कामगार एजेंसियों के संपर्क में रहते हैं। यह निजी एजेंसियां बकायदा बस संचालकों के लिए ही काम करते हैं। नेपालगंज सवारी पहुंचते ही वह सूचना भेज देते हैं। चालक व परिचालक सक्रिय हो जाते हैं। टोकन दिखाकर उन्हें अपने वाहन में बैठाते हैं। ओपी सिंह, एआरटीओ ने कहा कि रुपईडीहा कस्बे में अवैध तरीके से बसों के संचालन पर रोक लगाने को लेकर लगातार सीजर की कार्रवाई की जा रही है। फिटनेस व बीमा की जांच भी नियमित हो रही है।

आनलाइन उपस्थिति के विरोध में शिक्षकों ने भरी हुंकार

संवाददाता—श्रावस्ती। विद्यालयों में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। सोमवार को शिक्षक संगठनों के बैनर तले शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन कर बीएसए को ज्ञापन सौंपा। साथ ही शिक्षक समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ श्रावस्ती के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने सोमवार को जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय पहुंचकर जिलाध्यक्ष विनय पांडेय की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला बेसिक शिक्षाधिकारी अजय कुमार गुप्ता को सौंपा। शिक्षकों ने नारा लगाते हुए कहा कि पहले हमारी मांगों को पूरा कीजिए उसके बाद ऑनलाइन हाजिरी लीजिए। जिला अध्यक्ष विनय पांडेय ने कहा कि शिक्षक दूर दराज के जिलों में कार्यरत हैं उनका बैच वाइज अंतर्जनपदीय स्थानांतरण करते हुए 30 किलोमीटर के दायरे में पोस्टिंग प्रदान की जाए। शिक्षक तय समय आनलाइन उपस्थिति का विरोध नहीं कर रहे हैं। क्योंकि शिक्षक प्रतिदिन रियल टाइम विद्यालय जा रहे हैं। शिक्षक का विरोध भेदभावपूर्ण, उपेक्षापूर्ण कार्यशैली व भौगोलिक, प्राकृतिक व परिस्थितिजन्य कारणों से है। राजकीय शिक्षक, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, समाज कल्याण विद्यालय, डायट सहित हर जगह के शिक्षकों को 31 दिन का ईएल, अर्ध आकस्मिक अवकाश, कैशलेस चिकित्सा, दुर्घटना बीमा, समय से पदोन्नति आदि समस्त लाभ मिल रहा है। जबकि यह सभी विद्यालय कस्बे या नगर मे स्थित हैं। वहीं परिषदीय विद्यालय दूरस्थ और बीहड़ तथा संसाधन विहीन स्थान पर स्थित हैं, फिर भी बिना संसाधन, बिना कैशलेस चिकित्सा, बिना ई एल, बिना हाफ सी एल, बिना दुर्घटना बीमा के और बिना संसाधन उपलब्ध कराये केवल परिषदीय शिक्षकों के लिए आनलाइन व्यवस्था उनको बदनाम करने का कुचक्र है। सरकार अगर हमारी मांगों को नहीं मानती है तो आगे 23 जुलाई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

इस मौके पर जिला मंत्री सत्य प्रकाश वर्मा, हरीश कुमार, ब्लाक अध्यक्ष अनूप श्रीवास्तव, ब्लाक अध्यक्ष सिरसिया सुनील दत्त शुक्ला, जनार्दन यादव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, अंकित श्रीवास्तव, सुखा सिंह, भोली श्रीवास्तव, अल्पना पाण्डेय, रुचि द्विवेदी, पूनम सिंह, प्रतिमा पाण्डेय, रेनू आदि मौजूद रहे।

राजीव गांधी अभियान के तहत किया पौधरोपण

संवाददाता—बहराइच। राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत वीरपुर में पौधरोपण किया गया। कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी डॉ. एम सिद्दीकी ने प्रकृति को बचाने के संकल्प के साथ रोपे गए पौधों को संरक्षित करने का वचन लिया महासचिव विनय सिंह ने कहा कि इस बार प्रकृति के क्रोध के कारण हीटवेव से कई लोगों ने अपनी जान गवाई पर्यावरण को बचाने और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधरोपण जरूरी है। ब्लॉक अध्यक्ष रामदीन गौतम ने कहा कि प्रति बूथ एक वृक्ष लगाने के क्रम में 41 बूथ पर पौधरोपण किया गया। आनन्द स्वरूप ने कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण में सुधार आएगा। इस अवसर पर मालती देवी, मूलचंद्र, इंद्र कुमार यादव, शकील, संदीप सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस की जीत पर कार्यकताओं में खुशी

संवाददाता—बलरामपुर। देश भर के कई राज्यों में हुए 13 विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस गठबंधन के जीत पर कांग्रेसियों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर बधाई दी। कांग्रेस पदाधिकारी ने इस जीत को जनता की जीत बताई है।

जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि भगवान और जनता दोनों भाजपा के खिलाफ है। बीते लोकसभा चुनावों से शुरु होकर अभी हुए विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा हार रही है। 13 विधानसभा के उपचुनावों में कांग्रेस गठबंधन को 10 तो वहीं भाजपा गठबंधन को मात्र 02 सीटों पर जीत मिली है। एक जगह निर्दल ने जीत हासिल की। इससे यह लगता है कि जनता ने महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, महिला उत्पीड़न जैसे मुद्दों पर वोट देना शुरु कर दिया है। जो आने वाले समय में सुखद संकेत है। महिला जिलाध्यक्ष आरिफा उस्मानी ने कहा कि जनता ने नफरत की राजनीति को नकारना शुरु कर दिया है। यह बैसाखी की सरकार बहुत जल्दी गिरने वाली है। यह सरकार जनादेश के खिलाफ है। उपचुनावों में मिली इंडिया गठबंधन की जीत जनता की जीत है। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मुंह मीठा करा कर बधाई दी। इस अवसर पर डाक्टर इस्तियाक अहमद, अमिरका प्रसाद कुरील, मोहम्मद जमील, विशाल कश्यप, देव प्रकाश मिश्रा, विनोद मिश्रा, राजेश कुरील, इजहार अहमद, मास्टर हनीफ सहित दर्जनों कांग्रेसी उपस्थित रहे।

चिल्हरिया में धूमधाम से मनाया गया बगियाभाग पर्व

संवाददाता—श्रावस्ती। एक ओर जहां जाति व धर्म को लेकर समाज में तमामों विसंगतियां फैली हुई हैं। वहीं दूसरी ओर चिल्हरिया गांव में मनाया जाने वाला बगियाभाग का पर्व आपसी भाईचारे व प्रेम का प्रतीक बना हुआ है। इस गांव में हर वर्ष इस त्योहार को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। विकास क्षेत्र सिरसिया के चिल्हरिया गांव में सोमवार को बगिया भाग का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। पर्व की मान्यता के अनुसार गांव के किसी घर में चूल्हा नहीं जला बल्कि लोगों ने गांव के बाहर स्थित बाग में जाकर भोजन बनाया व खाया। इस दौरान लोग चाहे वे किसी भी जाति या धर्म के रहे हों सभी एक ही परिसर में अपने अपने चूल्हे रखे और भोजन पकाया। भोजन बनने के बाद लोगों ने एक दूसरे से अपने अलग बने पकवानों को साझा भी किया। उनके इस कार्य से लोगों के बीच प्रेम व भाईचारे की झलक देखने को मिली। बगियाभाग के पर्व को लेकर सोमवार को न तो किसी ने व्यवसाय किया और न ही खेती संबंधी काम को निकले क्योंकि इस दिन सभी ग्रामीण बिना कोई काम किए केवल त्योहार का लुत्फ उठाते हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में आषाढ़ के अंतिम सोमवार को बगियाभाग का यह त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार केवल इसी गांव में मनाया जाता है। त्योहार के दिन गांव के अंदर किसी के भी घर चूल्हा नहीं चलता बल्कि सभी गांव के बाहर बाग में जाकर भोजन बनाते खाते हैं। त्योहार की सबसे खास बात यह है कि चाहे हिन्दू हो या फिर मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग त्योहार में शामिल होते हैं। चिल्हरिया गांव में बनाया जाने वाला बगिया भाग पर्व गांव के लिए खास मायने रखता है। इस दिन ग्रामीणों को कोई व्यवसाय, रोजगार, खेती आदि काम करने की इजाजत नहीं होती। जिसका पालन कराने के लिए गांव में एक समिति भी बनी हुई है। यदि गांव का कोई भी व्यक्ति नियम तोड़ता है तो समिति की ओर से संबंधित पर जुर्माना लगाया जाता है। जुर्माने की रकम 100 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक होती है। जैसे कोई भी किसान ट्रैक्टर लेकर अपने खेतों में काम करने जाता है तो उसे 500 रुपए जुर्माना देना होता है। जुर्माने की रकम समिति ही तय करती है। बताया जाता है कि करीब 100 साल पहले चिल्हरिया गांव में हैजा की बीमारी फैली थी। जिसमें तीन दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। इससे लोग पलायन करने लगे थे। इसी बीच कोई महात्मा गांव में आए और गांव के बाहर बाग में रुके। ग्रामीणों ने बचाने की गुहार लगाई तो बाबा ने कहा कि सभी लोग गांव छोड़ कर बाग में चले आएं और कुछ दिन तक बाग में ही रहें। लोग गांव छोड़ कर बाग में रहने लगे और एक सप्ताह बाद बीमारी भी ठीक होने लगी। तब बाबा ने कहा था कि आषाढ़ माह के अंतिम सोमवार को गांव के सभी लोग बाग में रह कर भोजन बनाएंगे और खाएंगे। ऐसा न करने पर अनिष्ट हो जाएगा। ग्रामीण आज भी श्रद्धापूर्वक उसी का पालन करते हैं।

बाढ़ पीड़ितों को वितरित किया गया राशन किट

संवाददाता—श्रावस्ती। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए प्रशासन की ओर से राहत सामग्री का वितरण किया जा रहा है। एमएलसी व भाजपा विधायक की ओर से सोमवार को बाढ़ पीड़ितों को राशन किट प्रदान किया गया। साथ ही आगे भी मदद का आश्वासन दिया गया।

बीते दिनों राप्ती नदी में आई भीषण बाढ़ से कई दर्जन गांव प्रभावित हुए हैं। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सोमवार को जमुनहा तहसील क्षेत्र के सलारपुरवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विधान परिषद सदस्य डा प्रज्ञा त्रिपाठी व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जगदंबिका प्रसाद वर्मा ने सलारपुरवा व घाटेपुरवा के 200 बाढ़ पीड़ितों को राशन किट वितरित किया। एमएलसी ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सरकार तत्पर है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण प्रभावित हुए लोगों को राशन किट देकर उनकी तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर एसडीएम जमुनहा संजय राय, नायब तहसीलदार शुभम तिवारी, अरुण वर्मा, जय प्रकाश वर्मा, कानूनगो अशोक कुमार मौर्य, राम किशुन, प्रधान प्रतिनिधि कमलेश कुमार यादव आदि मौजूद रहे। इसी तरह श्रावस्ती से भाजपा विधायक राम फेरन पांडेय ने तहसील इकौना के फत्तेपुर तनाजा में सोमवार को बाढ़ प्रभावित किसानों को राशन किट वितरित किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर बाढ़ से उत्पन्न हुई किसानों की समस्या को लेकर चर्चा की। इस मौके पर एसडीएम ओम प्रकाश, तहसीलदार विपुल सिंह, आशुतोष पांडेय, विन्नू तिवारी, ब्लाक प्रमुख गिलौला प्रकाश चंद्र आदि मौजूद रहे।

बाढ़ पानी में बहकर आया अज्ञात शव, क्षेत्र में सनसनी

संवाददाता—बलरामपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मनकी बगहिया में सोमवार को सुबह बाढ़ पानी में बहकर आए शव को देखकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों ने बताया कि अज्ञात शव बगिया के पूर्व भांभर नाले में बहता हुआ जा रहा था, जो नाले के किनारे सीताराम भुज के खेत के पास भिलोर के पेड़ में फंस गया। इसकी सूचना ग्राम प्रधान बच्चाराम यादव ने थाना गौरा चौराहा पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष तेज नारायण सिंह ने बताया की शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। सफेद रंग के फुल आस्तीन का शर्ट, नीले रंग का अंडरवियर व दाहिने हाथ में कलावा पहने हुए है।

चचेरे भाई ने नाबालिग से किया दुष्कर्म, 8 माह की गर्भवती हुई किशोरी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। किशोरी आठ माह की गर्भवती हो गई तब जाकर घर वालों को इसकी भनक लगी। इसके बाद खजनी थाने में पीड़िता के पिता ने चचेरे भाई पर दुष्कर्म का केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने परिजनों को बताया कि चचेरा भाई उसे डरा धमकाकर आए दिन शारीरिक संबंध बनाता था। पिता ने तहरीर में लिखा हो कि खजनी क्षेत्र में किशोरी के पेट दर्द की शिकायत पर परिजन डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे। वहां पता चला कि किशोरी आठ माह की गर्भवती है। यह सुनकर परिजनों के होश उड़ गए। रोते बिलखते किशोरी ने पिता को पूरी घटना बताई। बताया जा रहा है कि किशोरी की मां का निधन हो चुका है। पिता को शराब पीने की लत है। इसका फायदा पड़ोस में रहने वाले चचेरे भाई ने उठाया। पहले किशोरी को घर पर अकेला पाकर जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद ब्लैकमेल कर आए दिन संबंध बनाने लगा। पिता ध्यान नहीं देते थे और महिला कोई घर पर नहीं थी इसलिए किशोरी को गर्भवस्था के दौरान होने वाला परिवर्तन किसी को पता नहीं चल पाया।

किसानों के कल्याण के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार चला रहीं योजनाएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। बघौली ब्लाक परिसर में सोमवार को कृषि निवेश मेला का आयोजन किया गया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप उर्फ बब्लू सिंह ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसान, नौजवान के हित में कार्य कर रही हैं। पूरे देश में विकास कार्य काफी तेजी से हो रहा है। इस दौरान 11 किसानों को कृषि यंत्र पर अनुदान दिया गया। किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन के बारे में भी जानकारी दी गई। आयोजन कृषि विभाग ने कृषि सूचना तंत्र सुदृढ़ीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम के तहत किया।

ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप उर्फ बब्लू सिंह ने कहा कि सरयू नहर परियोजना से अब क्षेत्र के किसान फसलों की सिंचाई कर रहे हैं। किसानों के हित में फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि के साथ ही किसानों की आय वृद्धि के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। सरकार गरीबों, किसानों, युवा के हित में कार्य कर रही है। देश व प्रदेश के लिए पीएम और सीएम कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम को भूमि संरक्षण अधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि पंचराम गौतम, एडीओ एजी विजय प्रकाश पाण्डेय, शिवसागर, अमन जायसवाल, संजय यादव, बृजेश श्रीवास्तव, गंगा पाठक, गिरजेश पाठक, बालरूप कन्नौजिया, रामरूप यादव समेत तमाम किसान मौजूद रहे।

मांगों को लेकर शिक्षकों का संकुल पद से सामूहिक इस्तीफा

संवाददाता–संतकबीरनगर। मांगों के लंबित होने और बार–बार आश्वासन देने से क्षुब्ध बेसिक शिक्षा विभाग में अलग–अलग ब्लॉकों के शिक्षकों ने संकुल पद से सामूहिक रूप से त्यागपत्र सौंपा है। बढ़नी और जोगिया ब्लॉक में सभी ने अपने–अपने खंड शिक्षा अधिकारियों को इस्तीफा सौंपा है। बढ़नी विकास खंड के शिक्षकों ने सोमवार को संकुल पद के प्रतिस्थापन पर सरकार की ओर से ध्यान न दिए जाने एवं अन्य जायज मांगों को पूरा न किए जाने को लेकर संकुल पद से सामूहिक रूप से इस्तीफा बीईओ के माध्यम से बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजा है। दिए गए इस्तीफे में 43 शिक्षकों ने सामूहिक रूप से कहा कि शिक्षक संकुल का निर्धारण कार्यकाल दो वर्ष होने के बाद भी चार वर्षों से वह शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। पूर्व में कई बार शिक्षक संकुल पद के प्रतिस्थापन के लिए प्रयास किया गया है लेकिन उनकी मांगों पर सरकार विचार नहीं कर रही है। इसके अलावा लाखों शिक्षकों की जायज मांग 31 उपार्जित अवकाश, अर्ध दिवस का आकस्मिक अवकाश, प्रतिकार अवकाश, निशुल्क चिकित्सा प्रतिपूर्ति, राज्य कर्मचारी का दर्जा इत्यादि पर बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया गया। शिक्षक संकुल से विद्यालय बंद होने के बाद भी काम लिया जाता है। विकास खंड जोगिया के भी समस्त शिक्षक संकुल का निर्धारण कार्यकाल दो वर्ष होने के बाद भी विगत चार वर्षों से शिक्षक संकुल के पद पद के प्रतिस्थापन प्रकरण पर कोई भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लिहाजा सभी शिक्षक संकुल एकमत होकर इस पद से सामूहिक त्यागपत्र दे दिया है।

एसपी ने उस्का थाने का किया निरीक्षण
महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। एसपी प्राची सिंह ने सोमवार को उस्का बाजार थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया। निरीक्षण के बाद पुलिस कर्मियों व ग्राम प्रहरियों के साथ गोष्ठी की। सभी को हर हाल में कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। एसपी ने ग्राम प्रहरियों को छाता, साफा भी वितरित किया।

एसपी ने मालखाना, शस्त्रागार, लाकअप, मेस, थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस, बैरक व महिला हेल्प डेस्क के साथ थाना परिसर का निरीक्षण कर साफ–सफाई का निर्देश दिया। उन्होंने थाने के विभिन्न अभिलेखों का गहनता से निरीक्षण किया। संपूर्ण समाधान दिवस रजिस्टर, समाधान दिवस रजिस्टर, भूमि–भवन रजिस्टर व मालखाना रजिस्टर–2023 का भी निरीक्षण किया। एसपी ने वाहन चोरी, लूट, सेंधमारी,चोरी, महिलाओं से संबंधित होने वाले अपराध की घटनाओं की रोकथाम एवं रूटीन पैदल गश्त, वाहन चेकिंग, बैंक चेकिंग, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग प्रभावी तरीके से थानाक्षेत्र में करते रहने को निर्देशित किया। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए थानाध्यक्ष चंदन कुमार को निर्देश दिया।

एसपी ने चौकीदारों को उनके कर्तव्यों से अवगत कराते हुए हर छोटी व बड़ी सूचना को अपने बीट पुलिस अधिकारी को जानकारी देने को कहा। निरीक्षण के दौरान सीओ सदर अरुण कांत सिंह, एसआई चंद्रशेखर पांडेय आदि मौजूद रहे।

नीलगाय की टक्कर से बाइक सवार विद्युत संविदा कर्मी घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के हरपुर तिराहे के निकट रविवार रात नीलगाय की टक्कर से एक संविदा विद्युत कर्मी घायल हो गया। वह महुली–हरिहरपुर मार्ग स्थित कठिनइया नदी किनारे लगे पोल से खराब बिजली दुरुस्त कर बाइक से वापस घर लौट रहा था। दुर्घटना में विद्युत कर्मी सड़क पर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर परिजन पहुंचे। उसे निकट के अस्पताल में भर्ती कराया। हालत में सुधार होना बताया जा रहा है।

महुली क्षेत्र के रामपुर निवासी श्याम पाल उर्फ चण्डाल विद्युत उपकेंद्र हरिहरपुर में विद्युत संविदा कर्मी के रूप में तैनात है। वर्तमान समय में वह महुली फीडर की सप्लाई देख रहे हैं। रविवार की रात करीब दस बजे अचानक कठिनइया नदी किनारे लगे पोल से हाईटेंशन सप्लाई फाल्ट हो गई। सूचना पर श्याम पाल बाइक से मौके पर पहुंचा। शटडाउन लेकर पोल पर चढ़कर मरम्मत करके पुनः महुली फीडर सप्लाई चालू कराकर बाइक से वापस घर लौट रहा था।

खामियां मिलने पर बिफरे डीएम, फार्मासिस्ट समेत पांच से जवाब तलब

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉ.राजागणपति आर ने सोमवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान खामियां मिलने पर जिम्मेदारों पर बिफर पड़े। उन्होंने दवाओं का रख–रखाव सही न होने पर फार्मासिस्ट व अन्य खामियां मिलने पर बीपीएम, बीसीपीएम, डीसीपीएम से जवाब तलब करने का निर्देश दिया।

डीएम ने एक्स–रे, टेक्निशियन, जनरल वार्ड, ओपीडी, जननी सुरक्षा, टीबी कक्ष, औषधि भंडारण कक्ष का जायजा लिया। दवाओं का रखरखाव ठीक न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने एक माह के अंदर कार्यप्रणाली में सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही फार्मासिस्ट ओमकार चौधरी, सर्वेन्द्र चौधरी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। इसके बाद प्रयोगशाला, प्रसूता कक्ष, नेत्र परीक्षण कक्ष, दंत चिकित्सा, आपरेशन थियेटर सहित सभी वार्डों का निरीक्षण किया। खामियां मिलने पर बीपीएम, बीसीपीएम, डीसीपीएम का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। डीसीपीएम राधेश्याम मौके पर उपस्थित थे वह अपने कार्य के बारे में जानकारी न दे सके। डीएम ने एक माह के अंदर कार्यप्रणाली में सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही बाहर बड़े बोर्ड पर सभी डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, स्टाप नर्सों का नाम, मोबाइल नंबर ड्यूटी का समय लिखवाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र पर मिलने वाली दवाएं व होने वाली जांच की सूची चस्पा कराने व पूरे परिसर की साफ–सफाई व्यवस्था ठीक कराने का निर्देश दिया।

शोहरतगढ़ ब्लाक में गैर मान्यता के संचालित मिले 14 स्कूल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक क्षेत्र में बिना मान्यता के संचालित हो रहे निजी विद्यालयों का मामला सामने आया है। खंड शिक्षा अधिकारी की जांच में 14 स्कूल बिना मान्यता के संचालित होने व अमान्य कक्षाओं के संचालन पाया गया है। बीईओ ने आसपास के अभिभावकों से इन स्कूलों में बच्चों का नामांकन न कराने को कहा।

बीईओ संतोष कुमार शुक्ल की ओर से जांच के दौरान गैर मान्यता मिले विद्यालयों में सेंट थाम्स इंटरनेशनल स्कूल गौहनिया चौराहा, गायत्री बाल विद्या मंदिर पंचायत भवन के बगल में भदांव, सना इंटरनेशनल एकेडमी चिल्हिया बाजार, नेहरू बाल विद्या मंदिर महदेवा बाजार, उमा कांवेंट स्कूल चोड़ार चौराहा, स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति अठकोनिया, अंश पब्लिक स्कूल डोहरिया बुजुर्ग, सरदार बल्लभ भाई पटेल स्मारक विद्यालय बगहवा चेतिया मार्ग, गायत्री बाल विद्या मंदिर भदांव शामिल हैं। जबकि विशुनदेव जनेंद्र प्रताप सेवा संस्थान मुड़िला बुजुर्ग चिल्हिया, किडी केयर चिल्ड्रेन एकेडमी जगदीशपुर पल्टादेवी और विद्या देवी पब्लिक स्कूल अकरा का मान्यता निरस्त है। इसके अलावा आइडियल पब्लिक स्कूल शोहरतगढ़, स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति सियांव नानकार का कक्षा एक से पांच तक अमान्य है।

खंड शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार शुक्ल ने इन स्कूलों के आसपास के अभिभावकों से बच्चों का नामांकन इन स्कूलों में न कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार जानकारी लेने के लिए दूरभाष नंबर 8765959220 व 8931982001 पर संपर्क कर सकते हैं।

पशुओं के टीकाकरण अभियान को बाढ़ क्षेत्रों में दें प्राथमिकता

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण योजना अंतर्गत चतुर्थ चरण के खुरपका मुंहपका रोग के टीकाकरण अभियान का शुभारंभ सोमवार को डीएम डॉ. राजागणपति आर ने कलक्ट्रेट परिसर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखा रवाना कर किया। डीएम ने कहा कि जनपद के सभी बाढ़ प्रभावित गांवों में टीकाकरण कार्य कराएं। इसके बाद शेष बचे ग्रामों में टीकाकरण कार्य रोस्टर के अनुसार किया जाएगा। इस मौके पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. जीवन लाल ने बताया कि इस अभियान अंतर्गत जनपद के 280016 गोवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं को खुरपका मुंहपका रोग के टीके से आच्छादित किया जाएगा।

जनपद को 253000 डोज आवंटित किया गया है। जिसको जनपद के सभी ब्लॉकों को लक्ष्य के अनुसार वितरण किया जा चुका है। प्रत्येक ब्लॉक में उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पशु चिकित्साधिकारी को नोडल अधिकारी नामित कर टीम का गठन भी कर दिया गया है। एक टीम में चार सदस्यों को रखा गया है। इस अवसर पर उपमुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजबहादुर यादव, डॉ. ऋषिकेश दर्शन, डॉ.छेदा लाल वर्मा, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विजय वर्मा, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. अनिमेष मिश्र, पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण प्रजापति, रमेश चंद्र, देवेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

सीवीओ ने बताया कि खुरपका मुंहपका रोग एक विषाणु जनित संक्रामक रोग है। मुख्य रूप से गाय, भैंस, भेड़, बकरी और सुअर जैसे पालतू पशुओं को प्रभावित करता है। यह रोग पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता पर गहरा प्रभाव डालता है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। खुरपका मुंहपका रोग के लक्षण प्रारंभिक चरण में पशुओं को बुखार आना व बाद में पशुओं के मुंह, जीभ, मसूड़े, थन एवं खुरों पर छाले व फफोले बन जाते हैं। मुंह में छाले पड़ने से पशुओं को लार अधिक टपकने लगता है। पशु लंगड़ाने भी लगता है। पशु खाना पीना छोड़ देता है। पशुओं में इस रोग के रोकथाम एवं नियंत्रण के उपाय नियमित टीकाकरण कराना है। इस रोग से संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखना चाहिए।

सभागार में गंदगी देख एडीओ पंचायत पर भड़के, दी चेतावनी

संवाददाता–संतकबीरनगर। बघौली प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह सोमवार को सभागार में गंदगी देख भड़क उठे। सभागार में दस दिन से लन्च पैकेट का कचरा बिखरा पड़ा था। एडीओ पंचायत को तलब कर डांट लगाई। चेतावनी दी कि दोबारा ऐसे कृत्य पर सख्त कार्रवाई होगी। ब्लाक परिसर सोमवार को कृषि गोष्ठी चल रही थी। इस दौरान उमस भरी गर्मी से आए किसान परेशान दिखे। लोगों को परेशान देख बघौली प्रमुख प्रतिनिधि योगेन्द्र प्रताप सिंह ने ब्लाक के जिम्मेदारों से पूछा कि इस भीषण गर्मी में सभागार में यह कार्यक्रम क्यों नहीं हुआ, जबकि सभागार में सभी व्यवस्था है। इस दौरान पता चला कि पिछले दस दिनों से सभागार में लन्च पैकेट का कचरा बिखरा हुआ है। इस पर प्रमुख योगेंद्र प्रताप सिंह ने सभागार को खोलवाया तो जगह–जगह कचरा बिखरा देख भड़क गए। तत्काल एडीओ पंचायत चन्द्रशेखर सिंह को तलब किया। उन्होंने पूछा कि सफाई क्यों नहीं हुई। काफी डांट–फटकार लगाई। इस पर वह चुप्पी साध गए। इस पर उन्होंने मामले की डीपीआरओ को फोन कर जानकारी दी। कहा कि दोबारा ऐसी कृत्य हुआ तो कार्रवाई तय है। मौजूद लोगों ने कहा कि ऐसे ही पूरे ब्लाक में गंदगी रहती है।

बीडीओ को हटाने को लेकर प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने दिया धरना

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया ब्लॉक परिसर में सोमवार को बीडीओ अरुण कुमार पांडेय के खिलाफ प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने धरना दिया और जमकर नारेबाजी की। आरोप है कि बीडीओ किसी कार्य को कराने के पूर्व धन की मांग करते हैं। धन न देने पर कार्य करने से रोका जाता है। एफटीओ से पूर्व ही एडवांस धन की मांग की जाती है। क्षेत्र पंचायत सदस्य रत्नेश सिंह ने कहा की खंड विकास अधिकारी द्वारा पिछले सत्र मार्च के हुए टेंडर पर भी कार्य करने से रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि जबकि कार्य प्रारंभ होने का भौतिक सत्यापन रिपोर्ट खंड विकास अधिकारी द्वारा उच्च अधिकारियों को सौंप दी गई है। प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने कहा कि जिस प्रकार का व्यवहार बीडीओ की ओर से किया जा रहा है और पैसों की मांग की जा रही है पूर्व के किसी भी बीडीओ द्वारा नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि अगर बीडीओ को नहीं हटाया गया तो वह लोग अनिश्चित कालीन धरना देंगे। इस दौरान प्रधान अब्दुल कयूम, रोहित, नसीम अहमद, सुदामा प्रसाद, अनिल जायसवाल आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बस्ती

पत्रांकः– 1941 (E) /न०पा०प०ब० / 2024–25 / दिनांकः–15.07.2024

आवश्यक सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में नगर पालिका परिषद बस्ती के सीमान्तर्गत 15वीं वित्त आयोग में अनटाइड ग्राण्ट के अन्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु दिनांक 15.07.2024 को बिकने वाली निविदा को अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेश तक स्थगित किया जाता है। आगामी निविदा प्रकाशन की सूचना दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से दी जायेगी।

अधिशासी अधिकारी/
उप जिलाधिकारी (न्यायिक)
नगर पालिका परिषद बस्ती

कार्यालय ग्राम पंचायत देवमी विकास खण्ड-बनकटी, जनपद-बस्ती

अल्पकालीन निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **देवमी** विकासखंड **बनकटी** द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना / 15 वीं वित्त/स्वच्छ भारत मिशन/ SLWM/RGSA योजना अंतर्गत 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अंतर्गत कराए जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (इंटरलॉकिंग ईंट, प्रथम श्रेणी ईंट, सीमेंट, सादा बालू, मोरंग, इंट की गिट्टी, पत्थर की गिले, छाड पेट, बोर्ड होम पाइप, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, सफाई ठेला कुदाल, झाड़ू, ब्लीचिंग पावडर चूना, कूड़ादान, सेनेटाइजर मशीन, फागिंग मशीन, इंडिया मार्का टू हैंड पंप, रिबोर व मरम्मत की सामग्री एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुक्त सामग्री आदि) की आवश्यकता है। जिसके हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्ति कर्ता द्वारा दिनांक 16–07–2024 से दिनांक 19–07–2024 को 01:00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फॉर्म संबंधित प्रपत्रों के साथ कार्यालय/स्थान ग्राम पंचायत **देवमी** में रखे गए निविदा बॉक्स में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 20–07–2024 को अपरान्ह 2:00 बजे निविदा दाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्ते

1– अधिकृत फर्म अधिकृत डीलर का जी0एस0टी0 में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा 3 वर्ष का आयकर क्लीयरेंस सलग्न करना अनिवार्य है।
2– जो दरें प्रस्तुत की जाए व जीएसटी तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर प्रस्तुत की जाए।
3–आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 2 फीसदी आयकर टीडीएस देना होगा। प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा पीडब्ल्यूडी के सभय अनुसार तय दर पर ही भुगतान किया जाएगा।
5– ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान/अवर अभियंता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं कि जाएगी।
6– धरोहर की धनराशि मु. 5000 (पांच हजार) है।
7– धरोहर की राशि राष्ट्रीय कृत बैंकों एडीआर एन एससी/नगर एवं डाकघर में बचत पत्र जो ग्राम पंचायत **देवमी** के नाम बंधक हो, की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8– निविदा स्वीकृत होने के उपरांत सचिव एवं ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9– आदेश देने के 7 दिनों के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर की धनराशि जब्त कर ली जायेगी।
10– सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11– सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटायी या बढ़ाई जा सकती है।
12– आपूर्ति कर्ता को भुगतान अवर अभियंता (ग्रा.अभि.वि.)/तकनीकी सहायक द्वारा सामग्री की गुढ़वत्ता प्रामाणित होने पर तथा मापन के उपरांत किया जाएगा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर भुगतान नहीं किया जाएगा।
13– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 है, पर ही स्वीकार किया जाएगा।
14– निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निधारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15– निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
16– निविदा के संबंध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

राजेन्द्र चौधरी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–देवमी
विकास खण्ड–बनकटी जनपद बस्ती

अमित प्रकाश
सचिव
ग्राम पंचायत––देवमी
विकास खण्ड–बनकटी जनपद बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 बस्ती महोदय जिला–बस्ती
मुत0 सं0 175/22
श्रीमती सुमन
बनाम
श्रीमती ज्ञानमती

1. अलोक कुमार 2. अजय कुमार पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद साकिन गनेशपुर (सेखपुरा) तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील बस्ती सदर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–07–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 31 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
वाद सं0 978/13
निर्मला देवी
बनाम
ज्वाला प्रसाद

1/1 सुभावती बेवा पत्नी ज्वाला प्रसाद 1/2 अशोक कुमार 1/3 कृष्ण कुमार पुत्रगण ज्वाला प्रसाद निवासीगण ग्राम बसन्तपुर तप्पा मनवर पारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–08–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबावदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 R.S.T./01703/2018
क0 वाद सं0 T 201817140301703
अदालत–श्रीमान नायब तहसीलदार साऊघाट महोदय जिला–बस्ती
ब्रम्हदेव आदि
बनाम
तीर्थराजी

1. ब्रम्हदेव 2. धर्मदेव पुत्रगण हरीराम 3. हरीराम पुत्र भगौती साकिन कुसम्हा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 1094/2020
अदालत–श्रीमान दशम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
जसवन्त लाल उर्फ जसवन्त
बनाम
सुमित्रा

1/1 अनन्तलाल पुत्र राम स्नेही 1/2 राजेश कुमार 1/3 राकेश कुमार 1/4 अवधेश कुमार 1/5 सतीश चन्द्र 2/6 विपिन कुमार 1/7 पंकज कुमार 1/8 प्रदीप कुमार पुत्रगण स्व0 सुमित्रा व अनन्त लाल 1/9 सुनीता 1/10 लकी पुत्रीगण स्व0 सुमित्रा व अनन्त लाल निवासीगण मेहदिया खड़गपुर बहादुर शाही तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 23–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 07 सन 2024 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 12/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
निर्मला देवी
बनाम
रामधनी आदि

1. रामधनी पुत्र मेवालाल –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामू 3. श्यामू 4. सुक्खू उर्फ पप्पू पुत्रगण सूरजदीन –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
5. प्रदीप कुमार 6. सरवन 7. महेन्द्र कुमार पुत्रगण भगवान दास 8. रामकृष्ण 9. ओम प्रकाश पुत्रगण भुल्लुर 10. श्रीमती मुन्नी पत्नी भोलानाथ 11. श्रीमती पूनम पत्नी रामचन्द्र 12. महेश पुत्रगण गंगा सागर 13. श्रीमती राजपति पत्नी रामउजागिर साकिनान सेवईडीह तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 14. श्रीमती सुधा पत्नी सुरेन्द्र कुमार 15. सुकुमार 16. पवन कुमार 17. अतुल कुमार 18. संतोष कुमार 19. नितेश कुमार पुत्रगण सुरेन्द्र कुमार 20. रमेश चन्द्र पुत्र बाबूलाल 21. श्रीमती सबिता पत्नी विमलेश 22. बाबूलाल पुत्र हरखू साकिनान खौरिया तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 23. फूलकली पत्नी रामअजोर साकिन सजहरा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 24. राम जियावन पुत्र सुखई 25. श्रीमती लखपाती पत्नी गिलई साकिनान कटलहवा तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 26. श्रीमती उर्मिला पत्नी जयप्रकाश साकिन शंकरपुर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 27. हसन अहमद 28. रईस 29. बक्सीस 30. इदरीश पुत्रगण सानुल्लाह साकिनान मुदारपुर तप्पा बनकटा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 31 अब्दुल रफीक 32. अब्दुल लतीफ 33. अब्दुल अजीज साकिन बन्धुपुर तप्पा बनकट परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 34. अजय कुमार पुत्र हनुमान प्रसाद 35. जाहिद अली 36 शाहीद अली पुत्रगण छांगुर साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पूरब तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 37. शर्मिला पाल पत्नी प्रदीप कुमार पाल साकिन मथौली तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 38 विकास गोस्वामी पुत्र बैजनाथ साकिन सरायघाट तप्पा बड़गोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 39. रमेश पुत्र राजमन चौहान साकिन मड़पौना तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती –प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 23–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com